11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 52

जबलपुर, शनिवार 21 मार्च 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

कच्चे तेल की मार: प्रीमियम पेट्रोल महंगा, इंडस्ट्रियल फ्यूल 25% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। इजरायल-ईरान युद्ध को 20 दिन पूरे हो गए हैं, इस दौरान होर्मूज स्ट्रेट से क्रूड और गैस के 9 जहाज ही गुजरे हैं। ऐसे में दुनिया के साथ भारत में भी एलपीजी गैस की कमी बनी हुई है, ऐसे में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी की स्थिति अभी भी गंभीर है, सरकार आपूर्ति करने की कोशिश कर रही है। सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं तक 100त्न एलपीजी पहुंचाई जा रही है। हालांकि हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के हिसाब से ही गैस बुक करें। सरकार ने साफ कहा है कि एलपीजी की स्थिति अभी भी गंभीर है। सप्लाई बनाए रखने की कोशिश जारी है, लेकिन आम लोगों से अनुरोध है कि वे वैकल्पिक ईंधन के विकल्पों पर भी विचार करें और घबराहट में खरीदारी से बचें। वहीं कच्चे तेल की मार के कारण तेल कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.35 रूपए प्रति लीटर की वृद्धि की है, वहीं इंडस्ट्रियल यूल की कीमत भी 25 प्रतिशत बढ़ी है। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शि ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक ह ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है और 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसका आवंटन किया गया है। सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं।

देश में प्रीमियम पेट्रोल 2.35 रुपए महंगा

तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.35 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। पुणे में नई कीमतों के अनुसार, स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.09 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पहले इस पेट्रोल का भाव 111.68 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढक़र 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

औद्योगिक डीजल 22 रुपए महंगा

औद्योगिक उपयोग वाले थोक डीजल की दरें भी बढ़ाई गईं। इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल यूल की कीमत में भी करीब 22 या 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इसके दाम 87.67 प्रति लीटर से बढक़र अब 109.59 प्रति लीटर हो गए हैं। इंडस्ट्रियल यूल का उपयोग फैक्ट्रियों में बॉयलरों और पावर प्लांट्स में ऊर्जा पैदा करने के लिए किया जाता है। इसमें मु य रूप से फर्नेस ऑयल, लाइट डीजल ऑयल और हाई-स्पीड डीजल शामिल हैं। ये मशीनों को चलाने, धातुओं को पिघलाने और औद्योगिक हीटिंग के काम आते हैं। तेल विपणन कंपनियों ने कीमतों में यह इजाफा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बाद किया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि प्रीमियम श्रेणी कुल पेट्रोल बिक्री का केवल दो से चार फीसदी है। सरकार आम आदमी पर कोई मूल्य वृद्धि का बोझ नहीं डालना चाहती है। तेल कंपनियां स्वतंत्र रूप से मूल्य निर्धारण का निर्णय लेती हैं। सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियमित नहीं करती है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब भारत के औद्योगिक शहरों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। गुजरात के सूरत में गैस आपूर्ति प्रभावित होने के कारण बड़ी सं या में प्रवासी मजदूर अपने-अपने गांवों की ओर लौटने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर एलपीजी गैस की कमी ने छोटे उद्योगों और फैक्ट्रियों पर भी असर डाला है। एलपीजी गैस की कमी के चलते कई फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो रही हैं। मजदूरों के सामने रोजगार और रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रवासी मजदूर सचिन ने बताया कि हम गांव जा रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से गैस नहीं मिल रही है। हमारी कंपनियां भी बंद हो रही हैं। इसलिए क्या करें, भूखे मर रहे तो वापस गांव जा रहे हैं। हमारे पास पैसे नहीं हैं इसलिए वापस लौट रहे हैं। कोशिश की गैस पाने की, लेकिन सब अपना-अपना देखते हैं। यहां कोई मदद नहीं कर रहा गैस सप्लाई शुरू होने पर ही लौटेंगे। बहुत लोग वापस जा रहे हैं। सचिन ने आगे बताया कि 4-5 दिनों से ज्यादा परेशानी हो रही है। 500 रुपये लीटर गैस मिल रही है और पैसे भी नहीं हैं। इसलिए गांव जा रहे हैं। वहीं प्रवासी मजदूर सीमा देवी ने कहा कि गैस की समस्या के कारण मैं अपने गांव लौट रही हूं। हमारे खाते बंद हो रहे हैं और पैसे भी नहीं हैं। जो भी मजदूरी करते हैं और 500-1000 रुपये उसमें डालते हैं, वो भी नहीं मिल रहे और गैस भी नहीं मिल रही। यह पूछने पर कि गैस कब से नहीं मिल रही, सीमा देवी ने कहा कि पिछले 15 दिनों से गैस नहीं मिल रही। एक ह ते पहले गैस खत्म हो गई थी फिर गैस की कमी हो गई। सीमा देवी का कहना है कि एजेंसी पर भी गए लेकिन अभी तक गैस नहीं मिली। मैं और मेरी बेटी जा रहे हैं जबकि पति और दो बच्चे यहीं रहेंगे। छोटे सिलेंडर तक नहीं मिल रहे हैं।

एलपीजी की किल्लत से परेशान प्रवासी मजदूर

सीमा देवी ने बताया कि हम उपले लाकर खाना बना रहे हैं। अभी हमारे पास फोन आया कि जो छोटा सिलेंडर चला रहे थे, वो भी खत्म हो गया। गली-गली खोज रहे हैं लेकिन छोटा सिलेंडर भी नहीं मिल रहा। गैस संकट के चलते सूरत में श्रमिकों के पलायन की स्थिति बन गई है जो न केवल स्थानीय उद्योगों के लिए चिंता का विषय है। बल्कि यह दिखाता है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर भी गहराई से पड़ रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की कमी की खबरें आई। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यों को एक खास प्रस्ताव दिया है।

चीन में पुलिस ने रोबोट को 'डर फैलाने' के आरोप में रोका

बीजिंग , एजेंसी। हाल ही में चीन से सामने आई एक अनोखी घटना ने रोबोट के इस्तेमाल और उनकी सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां एक ह्यूमनॉइड रोबोट को कथित तौर पर 'डर फैलाने' के आरोप में पुलिस ने रोक लिया, जिसके बाद यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। यह घटना चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र मकाउ के पटाने इलाके में स्थित लोक येंग फा यून नामक आवासीय परिसर के पास हुई। जानकारी के अनुसार शाम के समय करीब 70 वर्ष की एक बुजुर्ग महिला वहां टहल रही थीं। उसी दौरान वह अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थीं। इसी बीच उनके पीछे एक ह्यूमनॉइड रोबोट आकर खड़ा हो गया। जैसे ही महिला ने पीछे मुड़कर देखा, वह अचानक घबरा गईं और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। बताया जा रहा है कि महिला ने इससे पहले कभी इतने करीब से ऐसा रोबोट नहीं देखा था, इसलिए वह डर गईं। घबराहट में उन्होंने रोबोट से नाराजगी जताते हुए कहा कि वह उनका दिल तेजी से धड़काने लगा है और ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है। यह पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। हालांकि इस घटना में महिला को किसी प्रकार की शारीरिक चोट नहीं आई, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दो अधिकारियों ने रोबोट को वहां से हटाया।

उन्होंने रोबोट के मालिक, जो लगभग 50 वर्ष के व्यक्ति बताए जा रहे हैं, को सार्वजनिक स्थानों पर रोबोट के उपयोग में सावधानी बरतने की चेतावनी दी। बाद में रोबोट को उसके मालिक को वापस सौंप दिया गया। :रिपोर्ट के मुताबिक यह रोबोट एक शैक्षणिक संस्थान द्वारा परीक्षण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि यह यूनिट्री जी1 नाम का ह्यूमनॉइड रोबोट है, जिसे यूनिट्री रोबोटिक्स ने विकसित किया है। करीब चार फीट लंबा यह रोबोट मई 2024 में पेश किया गया था। इसकी खासियत यह है कि इसकी गतिविधियां काफी लचीली हैं और इसमें एडवांस ऑब्स्टेकल अवॉइडेंस सिस्टम तथा डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक मौजूद है, जो आसपास की वस्तुओं को पहचानने और टकराव से बचने में मदद करती है।

किम जोंग उन ने किया अत्याधुनिक टैंक का अनावरण, बेटी को दी सैन्य ट्रेनिंग

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए एक ऐसे नए मुख्य युद्धक टैंक का अनावरण किया है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल और ड्रोन हमलों को पूरी तरह विफल करने में सक्षम है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से युद्ध की तैयारियों को और अधिक आक्रामक बनाने का आह्वान किया। विशेष बात यह रही कि इस सैन्य अभ्यास के दौरान किम जोंग उन की बेटी जू ए भी उनके साथ नजर आईं, जिससे इन अटकलों को और बल मिला है कि उन्हें भविष्य के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, किम जोंग उन ने उन सैन्य अभ्यासों की स्वयं निगरानी की, जिनमें दुश्मन की रक्षा पंक्तियों पर हमले और कब्जे का कृत्रिम अभ्यास किया गया था। प्रदर्शन के दौरान नए टैंक ने विभिन्न दिशाओं से आने वाली एंटी-टैंक मिसाइलों और ड्रोनों को शत-प्रतिशत रोकने में सफलता पाई। किम जोंग उन ने गर्व के साथ बताया कि इस टैंक को विकसित

करने में सात साल का लंबा समय लगा है। इसे विशेष रूप से युद्ध के मैदान में सैनिकों की सुरक्षा और टैंक के सर्वाइवल रेट को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक सक्रिय सुरक्षा प्रणालियों से लैस किया गया है। यह टैंक अब उत्तर कोरियाई सेना का मुख्य स्तंभ होगा और रात के समय सैन्य अभियानों को अंजाम देने की उसकी क्षमता में क्रांतिकारी सुधार लाएगा। इस आयोजन की सबसे चर्चित तस्वीरें किम जोंग उन और उनकी बेटी जू ए की रहीं। दोनों को काले रंग की लेदर जैकेट पहने एक जैतूनी-हरे रंग के टैंक पर सवार देखा गया। तस्वीरों में जू ए टैंक के हैच से बाहर झांकती हुई और किम जोंग उन मुस्कुराते हुए दिखाई दिए। दक्षिण कोरियाई खुफिया विशेषज्ञों का मानना है कि लगभग 13 वर्षीय जू ए अब केवल एक दर्शक नहीं रह गई हैं, बल्कि उन्हें एक कमांडर और योद्धा के रूप में पेश किया जा रहा है। साल 2022 के अंत से ही वह लगातार मिसाइल प्रक्षेपणों और सैन्य परेडों में अपने पिता के साथ साये की तरह मौजूद रहती हैं, जिसे उनके आधिकारिक उत्तराधिकार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की परवाह किए बिना उत्तर कोरिया लगातार अपनी रक्षा तकनीकों का आधुनिकीकरण कर रहा है। हाल के दिनों में उसने आत्मघाती ड्रोनों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। वैश्विक रक्षा विश्लेषकों और अमेरिका ने यह भी चिंता जताई है कि यूक्रेन युद्ध में रूस का कथित सहयोग कर उत्तर कोरिया आधुनिक युद्ध का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहा है, जो क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक नई चुनौती बन सकता है।

12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से जंग रोकने की अपील की

रियाद , एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव अब पूरे मिडिल ईस्ट में फैलता दिख रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई देशों की हवा बारूद और धुएं से प्रभावित हो रही है। इसी बीच 12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से हमले तुरंत रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की है। इसके पहले संयुक्त बैठक रियाद में आयोजित हुई, जहां सऊदी अरब सहित कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद जारी बयान में सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, सीरिया, तुर्किए, बहरीन और अजरबैजान के विदेश मंत्रियों ने एकजुट होकर ईरान की सैन्य कार्रवाई की निंदा की। विदेश मंत्रियों ने आरोप लगाया कि ईरान ने हाल के हमलों में रिहायशी इलाकों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाया। इसमें तेल और गैस प्लांट, एयरपोर्ट, डीसेलिनेशन प्लांट, रेजिडेंशियल बिल्डिंग और राजनयिक ठिकाने शामिल हैं। उनका कहना है कि इस तरह के हमले न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी बड़ा खतरा हैं। यह बयान तब आया है जब इजरायल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस प्रोजेक्ट साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया। ईरान के हमलों से रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में आग लगने की खबरें आईं, जबकि सऊदी अरब में बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया गया। संयुक्त बयान में विदेश मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ईरान के साथ संबंध इस बात पर निर्भर करेंगे कि वह अन्य देशों की संप्रभुता का कितना सम्मान करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल देना या सैन्य शक्ति का इस्तेमाल कर उन्हें धमकाना स्वीकार्य नहीं होगा। इसके साथ ही मंत्रियों ने लेबनान पर इजरायली हमलों की भी निंदा की और क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और अखंडता बनाए रखने के लिए समर्थन जताया। यानी इस बयान में दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है। दूसरी ओर, कतर ने अपने यहां हुए हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कतर ने रास लाफान क्षेत्र को निशाना बनाए जाने को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। कतर सरकार ने ईरानी दूतावास के कुछ अधिकारियों को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया।

अमेरिकी वायुसेना को भारी नुकसान: 16 विमान नष्ट, तकनीकी खामियों ने बढ़ाई मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब एक भीषण हवाई युद्ध का रूप ले चुका है। हालिया रिपोर्ट्स और अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में अमेरिकी वायुसेना को अपूरणीय क्षति हुई है। अमेरिका को न केवल दुश्मन के आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम से चुनौती मिल रही है, बल्कि तकनीकी खराबी और आपसी तालमेल की कमी (फ्रेंडली फायर) ने भी इस नुकसान को बढ़ा दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, युद्ध की शुरुआत से अब तक अमेरिका के कम से कम 16 सैन्य विमान नष्ट हो चुके हैं, जिनमें बेहद महंगे ड्रोन और रिफ्यूलिंग टैंकर शामिल हैं।

इस हवाई युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान एमक्यू-9 रीपर ड्रोन्स को हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 10 रीपर ड्रोन नष्ट हो चुके हैं। इनमें से 9 ड्रोन्स को ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया, जबकि एक ड्रोन जॉर्डन के

एयरफील्ड पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमले की चपेट में आ गया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका इन ड्रोन्स को जानबूझकर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में भेजता है क्योंकि ये मानव रहित हैं और इनके नष्ट होने पर मानवीय क्षति नहीं होती, जिससे ये कम नुकसानदेह श्रेणी में आते हैं। हालांकि, युद्ध का सबसे दुखद पहलू तकनीकी गलतियां और आपसी तालमेल का अभाव रहा है। एक ऑपरेशन के दौरान केसी-135 रिफ्यूलिंग टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चालक दल के सभी 6 सदस्यों की मौत हो गई। वहीं, कुवैत में एक बड़ी चूक के कारण अपनी ही सेना ने गलत पहचान के चलते तीन अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू विमानों को मार गिराया। इसके अलावा, सऊदी अरब स्थित एक बेस पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में 5 अन्य केसी-135 विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि वे इस बार पूर्ण एयर सुपीरियरिटी हासिल करने में विफल रहे हैं। उन्हें केवल स्थानीय स्तर पर ही बढ़त प्राप्त है, जबकि ईरान का पूरा आकाश अभी भी उनके नियंत्रण से बाहर है। हाल ही में एक अत्याधुनिक एफ-35 (स्न-35) फाइटर जेट को भी ईरानी गोलाबारी के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। ईरान ने अपने ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हुए हमलों का बदला लेने के लिए कतर और सऊदी अरब को निशाना बनाना तेज कर दिया है, जिससे हॉर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों पर खतरा बढ़ गया है।

बिहार तब और अब पर क्यों हो रही चर्चा नीतीश कुमार के सुशासन पर टिकी नजरें

पटना, एजेंसी। राजनीतिक सक्रियता और दांव-पेच सीखने के लिए बिहार से बेहतर कोई अध्ययन केंद्र नहीं हो सकता। आजादी के आंदोलन से लेकर 1974 के जेपी मूवमेंट तक, बिहार हमेशा वैचारिक क्रांतियों की उर्वर भूमि रहा है। 1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने एम-वाय (मुस्लिम-यादव) समीकरण और अगड़े-पिछड़े की राजनीति के जरिए सत्ता पर 15 साल तक कब्जा जमाए रखा। लेकिन जब शासन की विफलताओं के कारण सत्ता नीतीश कुमार के पास आई, तो विमर्श अपहरण उद्योग से बदलकर सुशासन और विकास पर टिक गया। आज एक बार फिर बिहार की राजनीति के केंद्र में नीतीश कुमार ही हैं, लेकिन इस बार चर्चा उनके विकास कार्यों की नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक स्थिरता और भविष्य के कदमों की हो रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि नीतीश कुमार अब पहले जैसे निर्णय लेने की स्थिति में नहीं रहे और भाजपा ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। विपक्ष के पास अपने तर्क हैं—जैसे गृह विभाग का प्रभार भाजपा के सम्राट चौधरी को सौंपना और सदन में उनके कुछ विवादित बयान। ताजा विवाद का मुख्य कारण नीतीश कुमार का राज्यसभा चुनाव है। अपने लंबे करियर में लोकसभा, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रह चुके नीतीश ने राज्यसभा जाने की इच्छा जताई और निर्वाचित भी हुए। नियमानुसार, उन्हें 16 मार्च के निर्वाचन के 14 दिनों के भीतर (30 मार्च तक) विधान परिषद या राज्यसभा में से किसी एक की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा।

जंग में शामिल होने के लिए हमने कभी अमेरिका को न्यौता नहीं दिया: बेंजामिन नेतन्याहू

यरूशलेम, एजेंसी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और अमेरिका की भूमिका पर बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि इजरायल ने अमेरिका को इस युद्ध में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया है। नेतन्याहू के अनुसार, ईरान में की गई तमाम सैन्य कार्रवाइयां पूरी तरह से एक स्वतंत्र अभियान का हिस्सा थीं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निर्णय क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वही फैसले लेते हैं जो अमेरिकी जनता के हित में होते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या वाकई किसी को लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को यह बताने की जरूरत है कि उन्हें क्या करना है?

युद्ध की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पुष्टि की कि

इजरायली सेना ने ईरान के रणनीतिक असालुयेह गैस कंपाउंड पर सफलतापूर्वक हमला किया है। उन्होंने दावा किया कि इजरायली सेना विजय की ओर अग्रसर है और ईरान की स्थिति अब अत्यंत दयनीय हो गई है। युद्ध समाप्ति के संकेतों पर उन्होंने कहा कि यह संघर्ष लोगों के अनुमान से कहीं अधिक तेजी से अपने अंत की ओर बढ़ रहा है। नेतन्याहू ने यह भी संकेत दिया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियां लगभग तैयार हो चुकी हैं, हालांकि भविष्य की अनिश्चितता को लेकर उन्होंने सावधानी भी बरती। इजरायली प्रधानमंत्री ने ईरान की सैन्य क्षमताओं के पतन का दावा करते हुए कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति अब लगभग खत्म हो चुकी है। इजरायल लगातार उन कारखानों को निशाना बना रहा है जहाँ मिसाइलों का निर्माण किया जाता था। नेतन्याहू के अनुसार, अब ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइल बनाने या यूरेनियम संवर्धन करने की कोई प्रभावी क्षमता शेष नहीं रह गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान की परमाणु और मिसाइल तकनीक की कमर तोड़ दी गई है। दूसरी ओर, इस युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव और खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के बीच एक कूटनीतिक मोड़ भी आया है। ईरान ने अपने गैस फील्ड पर हुए हमले के जवाब में खाड़ी देशों के तेल और गैस प्रतिष्ठानों पर हमले तेज कर दिए हैं। इस स्थिति को संभालने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप की बात सामने आई है। नेतन्याहू ने बताया कि ट्रंप के अनुरोध पर इजरायल फिलहाल ईरान के विशाल प्राकृतिक गैस क्षेत्र साउथ पार्स पर और हमले नहीं करेगा। हालांकि, इस आश्वासन के साथ एक कड़ी चेतावनी भी जुड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान ने कतर या अन्य सहयोगी देशों पर पुन: हमला किया, तो अमेरिका सीधी जवाबी कार्रवाई करेगा और संबंधित क्षेत्र को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा।

मप्र के 42 जिलों में बारिश, 12 में ओले गिरे

कई जगह फसलें बर्बाद; साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन से बदला मौसम

भोपाल। साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी है, जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ाडोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा। इधर, 12 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। आगर-मालवा में सबसे तेज 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली, जबकि सीहोर में 54 किमी, बड़वानी और नरसिंहपुर में 46 किमी, आलीराजपुर में 43 किमी की रफ्तार दर्ज की गई। भोपाल, सागर, इंदौर और जबलपुर समेत कई शहरों में 35 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

तापमान में भारी गिरावट, पचमढ़ी में पारा 12.6 डिग्री : बारिश और ठंडी हवाओं के चलते पूरे प्रदेश के तापमान में गिरावट आई है। न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है। हिल स्टेशन पचमढ़ी 12.6त्ड के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। वहीं, इंदौर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और भोपाल में 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल में दिन में तेज गर्मी के साथ बारिश : भोपाल में मार्च महीने में दिन में तेज गर्मी पड़ने के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरूआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है। वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है।

बैतूल में बारिश से फसलें भीगीं:रानीपुर में भारी वर्षा, खेतों में भीगीं गेहूं और चने की फसल

बैतूल। बैतूल जिले में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में औसतन 9.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के रानीपुर क्षेत्र में करीब एक घंटे की तेज बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है। जिले के वर्षामापी केंद्रों के अनुसार, घोड़ाडोंगरी में 18 मिमी, मुलताई और भैंसदेही में 13-13 मिमी, बैतूल में 12.4 मिमी, आमला में 12 मिमी, शाहपुर में 9 मिमी और चिचोली में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। भीमपुर में 2 मिमी और आठनेर में 4.2 मिमी सबसे कम वर्षा हुई।

गेहूं, चना और सरसों की फसल खराब हुई : रानीपुर, जुवाड़ी, मेहकार, हीरावाड़ी, मयावानी, रतनपुर, शोभापुर, चारगांव और कतिया कोयलारी में मूसलाधार बारिश हुई। इससे खेतों में खड़ी गेहूं, चना, सरसों और बटरा की फसलें भीग गईं। जिन किसानों ने फसल काटकर खलिहानों में रखी थी, वे उसे बचाने के लिए तिरपाल और फट्टों से ढकते नजर आए। किसानों का कहना है कि वे अचानक बदले मौसम के लिए तैयार नहीं थे। खड़ी फसल पूरी तरह भीग गई है और कटी हुई फसल को बचाना उनके लिए मुश्किल हो गया है।

फसल की गुणवत्ता पर भी असर

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि गेहूं और चने की फसलें पूरी तरह पक चुकी थीं और कटाई शुरू होने वाली थी। इस बारिश से दानों के काले पड़ने, गुणवत्ता खराब होने और उत्पादन घटने का खतरा बढ़ गया है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

भोपाल में कटारा हिल्स में आग, लेट पहुंची दमकल

रजाई-गद्दे की दुकान में घटना; 20 फीट तक ऊपर उठी आग की लपटें

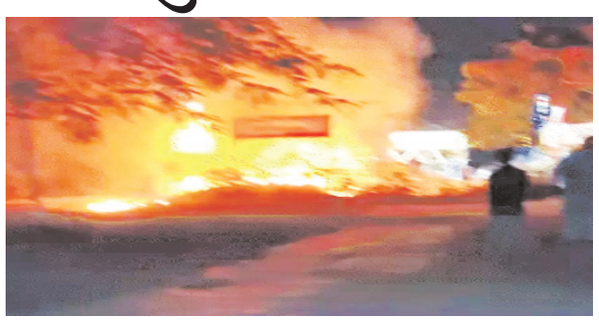

भोपाल। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित एक रजाई-गद्दे की दुकान में देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 20 फीट तक ऊपर उठ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो आग पर जल्दी काबू पा लिया जाता, लेकिन फायर ब्रिगेड ही करीब 45 मिनट देरी से मौके पर पहुंची। कटारा हिल्स के स्प्रिंग वैली में श्री वृंदावन फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट है। ठीक इसके पास रजाई-गद्दे की दुकान है। गुरुवार-शुक्रवार की देर रात इसी दुकान में आग लगी। राहगीर और आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल बुलाने के लिए फायर स्टेशन पर कॉल किया, लेकिन पौन घंटे तक दमकल मौके पर ही नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- गाड़ी खराब हो गई : आगजनी का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बताया। एक महिला ने कहा कि पौन घंटा तक दमकल मौके पर नहीं आई। जब आई तो उसमें कर्मचारियों ने खराब बताई। फिर कुछ संसाधन ढूंढने लगे। जब संसाधन मिले तो गाड़ी ठीक की गई और फिर आग बुझाई गई। हालांकि, तब तक पूरी दुकान जल चुकी थी।

झिरिया के दूषित पानी के उपयोग से दानवाखेड़ा में फिर फैली खुजली, 25 से अधिक बीमार, 6 भर्ती

बैतूल। घोड़ाडोंगरी तहसील के दानवाखेड़ा गांव में झिरिया के गंदे पानी के उपयोग के चलते एक बार फिर खुजली (त्वचा रोग) का संक्रमण फैल गया है। गांव में 25 से अधिक बच्चे और ग्रामीण इसकी चपेट में हैं, जबकि 6 की हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में भर्ती कराया है। गांव में नवंबर 2025 में बीमारी फैलने से 2 बच्चों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग बीमार हुए थे। गांव में एक भी हैंडपंप नहीं होने और पेयजल संकट को देखते हुए पीएचई के मनोज बघेल ने 3 दिसंबर 2025 को 4 दिन में हैंडपंप लगाने का दावा किया था, लेकिन 4 माह बाद भी हैंडपंप नहीं लग पाया है। इस कारण ग्रामीण झिरिया का दूषित पानी पीने और रोजमर्रा के कार्य में उपयोग ले रहे हैं। इससे बीमारी फैली है। गुरुवार को बीएमओ डॉ. संजीव शर्मा स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ गांव पहुंचे और प्रभावित लोगों का उपचार शुरू किया। उन्होंने बताया 28 मरीजों को उपचार किया गया है। 6 मरीज घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती हैं। गांव के मंगल शीलू का पूरा परिवार खुजली की चपेट में है।

अलविदा जुमा पर इबादत में डूबा शहर

मस्जिदों में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, रमजान के आखिरी शुक्रवार पर विशेष नमाज अदा

भोपाल। रमजान महीने के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमा पर राजधानी इबादत के रंग में रंगी नजर आई। सुबह से ही मस्जिदों के बाहर नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी और दोपहर तक शहर की प्रमुख मस्जिदों में जगह कम पड़ गई। शहर की ऐतिहासिक ताज-उल-मसाजिद और मोती मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलविदा जुमा की नमाज अदा की। नमाज के दौरान मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। अलविदा जुमा को रमजान की विदाई का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। धर्मगुरुओं ने तकरीर में कहा कि रमजान सिर्फ एक महीना नहीं, बल्कि जिंदगी को बेहतर बनाने का संदेश देता है। रोजा, सब्र, संयम और नेक कामों की आदत को पूरे साल जारी रखना ही इसकी असली सीख है। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने जरूरतमंदों को जकात और सदका दिया। मस्जिदों के बाहर भी सामाजिक संगठनों द्वारा पानी, खजूर और अन्य व्यवस्थाएं की गईं।

चार साल से अटका ग्वालियर-बैतूल एनएच मार्ग अब बनेगा

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रुका था काम, 21 किमी एरिया वाइल्डलाइफ के दायरे में था

भोपाल। वन्यजीवों के एरिया से होकर गुजरने वाले और ग्वालियर से बैतूल को जोड़ने वाला 634 किमी लंबा नेशनल हाईवे अब जल्द पूरा हो सकेगा। हाईकोर्ट ने चार साल पहले इसे वन्यजीवों के लिए असुरक्षित बताते हुए काम रोकने का आदेश दिया था। वाइल्डलाइफ बोर्ड और केंद्र सरकार से जरूरी परमिशन मिलने के बाद ही काम चालू करने के आदेश दिए थे। अब सारी परमिशन मिलने के बाद काम शुरू किया जाने वाला है। यह निर्माण इस मार्ग के बरेठा घाट सेक्शन पर 20.9 किमी में निर्माण कार्य परमिशन के चलते शुरू होगा। यह मार्ग भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भी एक हिस्सा है, जो बैतूल होते हुए गुजरता है। इस परियोजना के अंतर्गत बैतूल तक के अधिकांश खंडों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 21 किलोमीटर का एक भाग शेष रह गया था, जिसमें केसला रेंज, भौंरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित हैं। ये सभी खंड वन्यजीवों के मूवमेंट खासतौर पर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के चलते संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए 1 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा निर्माण कार्य पर स्थगन का आदेश जारी किया गया था और आवश्यक मंजूरी के बाद ही निर्माण करने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय के निदेर्शों का पालन करते हुए ठलअक द्वारा सभी परमिशन ली गई हैं। परियोजना के लिए वाइल्डलाइफ बोर्ड एवं केंद्र सरकार से अपेक्षित सभी आवश्यक मंजूरियां अब प्राप्त हो चुकी हैं।

ब्लैक स्पॉट होने के कारण जरूरी हुआ सुरक्षा सुधार : बरेठा घाट का यह खंड सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। वर्तमान में यह मार्ग केवल दो लेन का है जिसके कारण यहां घुमावदार (कर्व) रास्ते और सीमित चौड़ाई के चलते यातायात में कठिनाई होती है। भारी वाहनों और बढ़ते ट्रैफिक दबाव के कारण इस क्षेत्र में अक्सर लंबा जाम लग जाता है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। इस मार्ग पर दो प्रमुख ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां बार-बार दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। घुमावदार रास्ता, ढलान, सीमित विजिबिलिटी और ट्रैफिक मूवमेंट की वजह से जोखिम बढ़ता है। पुलिस थानों में उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार जनवरी 2022 से दिसंबर 2024 के बीच इस खंड में कुल 51 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन दुर्घटनाओं में 18 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि लगभग 62 लोग घायल या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह क्षेत्र वन्यजीवों की मूवमेंट कॉरिडोर का हिस्सा है। अक्सर जानवर सड़क पार करते हैं, जिससे अचानक दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ भव्य आयोजन

पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5 हजार एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना से धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप दुनिया के सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, से पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी से आकाश को भर दिया रोशनी और रंगों से कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी रही, जिसने शिप्रा तट के आकाश को रोशनी और रंगों से भर दिया। ड्रोन-शो के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह अभिभूत हो उठा।

विभिन्न साहित्य का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ का विक्रम पंचांग 2083, संस्कृति संचालनालय का कला पंचांग, बिमल कृष्ण दास की 84 महादेव, रामस्वरूप दास की ओरछाधीश, वीर भारत न्यास के महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धनवंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि के भारत निधि मोनोग्राफ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की अष्टावक्र गीता, नारद गीता, ब्राह्मण गीता, गर्भ गीता, उत्तर गीता का विमोचन किया।

आनंद एक ऐसी सुखानुभूति है, जो अर्थ क्रय से नहीं, अंतस से होती है अनुभूत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढ़ते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में श्री मिलिंद कुमार को प्रथम, श्री शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया।

थ्रेसर में फंसा किसान, एक पल में उजड़ गया परिवार

रायसेन। रायसेन जिले के बाड़ी निवासी किसान नर्मदा कहार की गुरुवार को थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि किसान की गर्दन धड़ से अलग हो गई और मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और एसडीएम बरेली को मौके पर पहुंचकर सहायता देने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम, तहसीलदार और थाना प्रभारी मृतक के घर पहुंचे और उनके पुत्र को तत्काल 5 हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई। शुक्रवार दोपहर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और एसपी आशुतोष गुप्ता ने मृतक किसान के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की।

प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित करें : कलेक्टर सिंह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज सीएम हेल्प लाईन व लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभागवार सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों में निराकरण की प्रगति की समीक्षा कर कहा कि प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित करें। इसी प्रकार अन्य लंबित प्रकरणों के संबंध में भी निर्देश दिये। बैठक में राजस्व व खनिज से जुड़े विषयों पर गंभीरता से चर्चा कर कहा कि राजस्व वसूली समय पर सुनिश्चित करें, अतिक्रमण पर कार्यवाही करें और सीलिंग के प्रकरणों को गंभीरता से लें। सायबर तहसील के लंबित प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री के साथ अवमानना के प्रकरणों को भी गंभीरता से लेने के निर्देश दिये। खनिज से संबंधित विषयों पर कहा कि अवैध उत्खनन व परिवहन पर नियमित रूप से कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा अवैध खनन में पकड़े गये रेत को पास के जिलों के एमडीओ को देने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सनातन धर्म महासभा महिला मंडल की बैठक आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

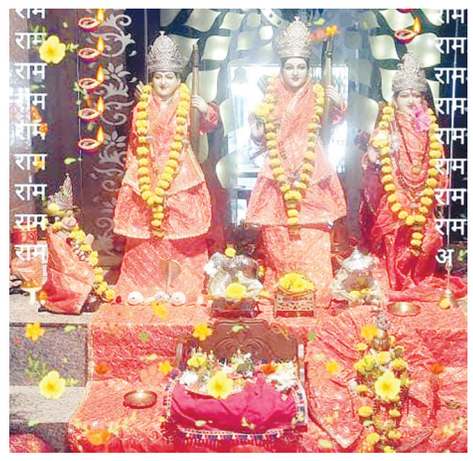

27 मार्च को श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में निकलने वाली मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की विशाल शोभायात्रा के पूर्व 24 मार्च को सायंकाल 4 बजे महासभा महिला मंडल द्वारा विशाल नारी शक्ति नारायणी शक्ति स्कूटर वाहन रैली को भव्य बनाने हेतु आवश्यक बैठक नरसिंह मंदिर में आज सायंकाल 4.30 बजे श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज के संरक्षण और सानिध्य में आयोजित है। महासभा महिला मंडल की संयोजक नीता चावला, गीता पाण्डे, अंजू भार्गव, कविता दुबे, इंदुलता प्यासी, डॉ वाणी अहलुवालिया रजनी साहू पार्षद, प्रतिभा भापकर पार्षद, आभा साहू, सोनल सेठी, नंदिता महाजन, मीरा दुबे, सभी सनातनी बहनों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

भक्तिधाम के मां भुवनेश्वरी मंदिर में अखंड चण्डी पाठ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चैत्र नवरात्र में 19 मार्च से 27 मार्च तक गौरीघाट स्थित भक्तिधाम आश्रम मां भुवनेश्वरी मंदिर में अखंड चण्डी पाठ किया जा रहा है। आश्रम के महंत स्वामी अशोकानंद महाराज ने बताया कि विश्व शांति और सर्व कल्याण के लिए पाठ दिन-रात चलेगा। उन्होंने बताया की मां भुवनेश्वरी 10 महाविद्याओं में से एक हैं। उन्हें संसार की जननी माना जाता है। उनके पूजन करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसलिए संसार में शांति एवं महामारियों से राहत के लिए यह अखंड चण्डी पाठ किया जा रहा है। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से धर्म लाभ लेने की अपील की है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रानी अवंती बाई लोधी की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि को संकल्प दिवस के रूप में मनाकर समाज के प्रति दायित्व निभाने का किया आह्वान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की नायिका, अदम्य साहस और शौर्य की प्रतीक रानी अवंति बाई लोधी की 168 वीं पुण्य तिथि पर आज धनवंतरि नगर चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके अनुज एवं मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल सहित सामाजिक बंधु एवं नागरिकगण उपस्थित रहे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम प्रतीक है। उन्होंने अंग्रेजो के शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है।

संकल्प दिवस के रूप में मनाने का आह्वान

मंत्री पटेल ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी जी की पुण्यतिथि को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित न रखकर ह्यसंकल्प दिवसह्न के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज ने हम पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरना हमारा दायित्व है। समाज के किसी भी व्यक्ति के कष्ट या चुनौती को प्राथमिकता से स्वीकार कर उसके समाधान हेतु प्रयास करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक बंधु एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

जन प्रतिनिधियों के समन्वय से करेंगे कार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सांसद आशीष दुबे एवं कैंट विधायक अशोक रोहाणी के मार्गदर्शन में सर्किट हाउस क्रमांक 1 में छावनी परिषद अंतर्गत समस्याओं के संदर्भ में चर्चा की गई। मुख्य रूप से छावनी परिषद अंतर्गत विकास कार्य एवं छावनी की दुकानों में व्यापार करने वाले व्यापारियों के किराए में बढ़ोतरी ,लाइसेंस शुल्क,छावनी परिषद की मकानों का रजिस्ट्री ना होना एवं अन्य समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया। सांसद श्री दुबे ने छावनी परिषद के संबंधित अधिकारियों को आगे की सभी करवाई को शिथिल करने एवं विकास कार्य तुरंत करने के लिए कहा। छावनी परिषद के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष व्यापारी गण किसान भाई उपस्थित थे।

नई दिल्ली में भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 का शुभारंभ, एमपी ऊर्जा विभाग की प्रदर्शनी सराही गई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई दिल्ली में आयोजित चार दिवसीय भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में मध्यप्रदेश के ऊर्जा विभाग की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। मध्यप्रदेश के सचिव ऊर्जा विशेष गढ़पाले ने समिट में ऊर्जा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, पावर जनरेटिंग कंपनी, पावर ट्रांसमिशन कंपनी सहित पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से राज्य के विद्युत क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में वी मित्र ऐप, उपाय ऐप, स्मार्ट बिजली ऐप, ड्रोन पेट्रोलिंग, गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (GIS) जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इनमें आरडीएसएस, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, अटल कृषि ज्योति योजना और समाधान योजना 2025-26 प्रमुख रहीं। समिट में देश-विदेश से आए निवेशकों, विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विद्युत एवं आवास-शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्राद जोशी, राज्य मंत्री श्रीपद नाइक सहित विद्युत क्षेत्र के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नव-नियुक्त जूनियर इंजीनियरों का फील्ड प्रशिक्षण प्रारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में नव-नियुक्त जूनियर इंजीनियरों (जेई) के लिए फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। मुख्यालय जबलपुर में इस प्रशिक्षण के लिए विशेष रूप से गठित कोर टीम के संयोजन में यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कोर टीम के मार्गदर्शन में नव-नियुक्त अभियंताओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने तथा उन्हें वास्तविक कार्य परिस्थितियों के लिए तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षण सर्किल स्तर के मेंटर्स के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में आयोजित किया जा रहा है। अनुभवी मेंटर्स अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षुओं को बेहतर कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं। प्रशिक्षण के प्रारंभिक चरण में इंदौर स्थित 220 केवी मांगलिया सबस्टेशन में मेंटर्स कार्यपालन अभियंता विनीता भावसार द्वारा नव-नियुक्त जूनियर इंजीनियरों को ट्रांसमिशन सिस्टम की व्यवहारिक जानकारी दी गई। यहाँ उन्हें सबस्टेशन के संचालन, रखरखाव, सुरक्षा मानकों तथा आपात परिस्थितियों में कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

रमजान के आखरी जुमा पर मस्जिदों में अदा हुई नमाज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पवित्र माह रमजान के आखरी जुमा पर शहर और उपनगरों की 100 से अधिक मस्जिदों और नमाजगाहों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की। मुख्य मस्जिदों सहित सदर, रामपुर, गोरखपुर और गढ़ा क्षेत्रों में नमाजियों की कतारें मस्जिद परिसरों से बाहर तक नजर आईं। इमामों ने खुत्बे में रमजान की फजीलत और इबादत की अहमियत बताई। नमाज के बाद देश और शहर में अमन-ओ-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। शिया जामा मस्जिद जाकिर अली और मदनमहल स्थित जिन्नाती मस्जिद व गोसुलवरा नूरानी मस्जिद में भी बड़ी संख्या में नमाजी शामिल हुए।

रमजान माह का समापन, ईद उल फि त्र आज

जबलपुर: पाक माह रमजान शरीफ का समापन कल हुआ। आज मुस्लिम धर्मावलंबी पूरे माह रोजे और इबादत के बाद अल्लाह का शुक्र अदा करने के लिए ईद उल फि त्र की नमाज अदा करेंगे।

रानीताल ईदगाह: मुफ्ती ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी सुबह 10 बजे मुस्लिम बंधुओं को सम्बोधित करेंगे। जिसके बाद ठीक सुबह 10:30 बजे नायब मुफ्ती ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत सूफी जियाउल हक कादरी बुरहानी ईद की नमाज अदा कराएँगे। हजरत मौलाना इनामुल हक कादरी ने नमाज से पहले समय पर पहुँचने की अपील की है।

गोहलपुर मोमिन ईदगाह: गोहलपुर मोमिन ईदगाह में ईद कि नमाज सुबह 8:30 बजे हाफिज मुहम्मद ताहिर साहब अदा कराएंगे।

ईदगाह, सदर बाजार: ईदगाह, सदर बाजार में सुबह 9 बजे हाफिज कारी सुल्तान अशरफी ईद की नमाज अदा कराएंगे। कमेटी के अकबर खान सरवर और अब्दुल शफीक कुरैशी ने समय से पहले पहुँचने की अपील की है।

उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा ईदगाह: गढ़ा ईदगाह में सुबह 10 बजे हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ ईद की नमाज अदा कराएंगे। कमेटी के हाजी तौसीफ रजा और पदाधिकारीगण ने समय से पहले पहुँचने की अपील की है। मस्जिद अहले सुन्नत वल जमाआत, दरीखाना पी.एस.एम. में नमाज सुबह 8 बजे अदा की जाएगी। शिया जामा मस्जिद, फूटाताल: शिया जामा मस्जिद में मौलाना सैय्यद हैदर मेहंदी साहब ईद की नमाज सुबह 9:30 बजे, अदा कराएंगे। श्री बाबा जैदी ने समय से पहले पहुँचने की अपील की है।

ईद मुबारक:

ईद के मौके पर मुस्लिम इस्लाह कमेटी के हाजी कदीर सोनी, हाजी शेख जमील नियाजी, सरदार हामिद हुसैन, हाजी मकबूल अहमद रजवी, मतीन अंसारी, पप्पू वसीम खान, हाजी मुईन खान, अयाज राईन, मुबारक अली कादरी, सैय्यद कादिर अली कादरी, याकूब अंसारी, बाबा रिजवान, अशरफ मंसूरी, शमीम अंसारी गुड्डू, शादाब अंसारी, जवाहर कादरी आदि ने नगरवासियों को ईद की मुबारकबाद पेश की और पर्व को परंपरागत शालीनता और साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है।

ईद उल फितर की नमाज का समय

ईदगाह कलां रानीताल 10:30 बजे
जामा मस्जिद बड़ी ओमती 10:30 बजे
मदनी मस्जिद मुकादामगंज 6:35 बजे
मस्जिद हुसैनिया, आजाद नगर मोहरिया 9:00 बजे
मस्जिद धूमन खाँ, छोटी ओमती बड़ी मस्जिद 9:30 बजे
साबरी मस्जिद, मक्का नगर गली नं. 1, 9:30 बजे
मस्जिद बिलाल, अनस सारा सिटी 8:30 बजे
मस्जिद सुलेमानी 9:30 बजे
जामा मस्जिद, व्हीकल मड़ाई 9:00 बजे
मस्जिद फलाह दारेन, नया मोहल्ला 8:30 बजे (बारिश होने पर ही नमाज होगी)
आयशा मस्जिद, आयशा नगर (खजरी बायपास) 6:45 बजे
मोमिन ईदगाह, गोहलपुर 8:30 बजे
मक्का मस्जिद, मक्का नगर (संजय गांधी वार्ड) पहली जमात: 8:30 बजे दूसरी जमात: 9:30 बजे
मस्जिद उमर फारूख, रामनगर 8:00 बजे
मस्जिद सूजी मोहल्ला 8:30 बजे
मस्जिद जहांगीराबाद (यातायात थाने के सामने) 8:00 बजे
मस्जिद अनवरगंज, हनुमानताल 10:30 बजे
जामा मस्जिद सुबहनिया (सुब्बा साह मैदान) 10:00 बजे
मस्जिद अक्सा ए रजा, अंबेडकर कॉलोनी 8:30 बजे
मस्जिद अहले सुन्नत वल जमाआत, दरीखाना ढ.र.ट. 8:00 बजे गौसिया मस्जिद, बुरहान नगर (पागल खाना) 9:30 बजे
बंगाली मस्जिद, नया मोहल्ला 9:00 बजे
नूरानी मस्जिद रामपुर 9.00 बजे

सुप्रीम आदर 30 साल से इंतजार कर रहे खरीदार को मिलेगा इंसाफ

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट की अंतिम मुहर के बाद अब 30 साल से इंतजार कर रहे खरीदार को इंसाफ मिलेगा।

क्या था पूरा मामला :

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

दरअसल, साल 1995 में दीक्षितपुरा निवासी योगेश कुमार अवस्थी ने रेंगवा आधारताल की बेशकीमती 2 एकड़ जमीन को बेचने का सौदा सुभाष चंद्र केसरवानी के साथ किया था, लेकिन बाद में वे इस सौदे से मुकर गए तो यहाँ से विवाद शुरू हो गया और मामला लोअर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक गया लेकिन हर स्तर पर फैसला खरीदार केसरवानी के हक में हुआ। फिर जब जमीन पर कब्जा दिलाने की प्रक्रिया शुरू हुई, तभी योगेश कुमार अवस्थी की बेटी रश्मि अवस्थी द्वारा कानून की आँखों में धूल झोंककर उक्त जमीन को हड़पने का पारिवारिक खेल खेला गया, जिसका सुप्रीम कोर्ट की मुहर के साथ अब पूरी तरह से अंत हो गया है'

कानून बनाम कपट की लड़ाई में न्याय की जीत :

देश की सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायाधीश विजय बिश्नोई की युगल पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने और हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए रश्मि अवस्थी की अपील को सिरे से खारिज कर हाईकोर्ट के रुख को बरकरार रखा है। *सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हमें इस मामले में ऐसा कोई आधार नहीं मिला जिसके तहत विवादित आदेश में हस्तक्षेप किया जा सके। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी की थी कि जहां एक ओर तो बेटी रश्मि, उसके भाई राजेश और माँ गीता कोर्ट में अपने हक की गुहार लगा रहे थे, वहीं दूसरी ओर अपील लंबित रहने के दौरान पिता की मृत्यु होते ही रश्मि ने अपनी माँ और भाई के साथ मिलकर उसी विवादित जमीन के तीन हिस्से मेसर्स बालाजी गोल्डन टाउन, शकुन राय और शाहिदा नाज को गुपचुप तरीके

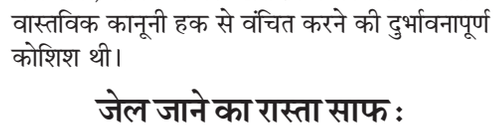

बेच डाले, जो कि केवल खरीदार केसरवानी को उसके वास्तविक कानूनी हक से वंचित करने की दुर्भावनापूर्ण कोशिश थी।

जेल जाने का रास्ता साफ :

सुप्रीम कोर्ट की अंतिम मुहर लगने से हुई केसरवानी की जीत के चलते कु. रश्मि अवस्थी की वर्षों पुरानी लड़ाई का अंत हो गया है क्योंकि अब जमीन की रजिस्ट्री में टालमटोल की स्थिति में जिला अदालत अपने प्रतिनिधि के माध्यम से खरीदार केसरवानी के पक्ष में रजिस्ट्री करेगी। तदुपरांत पुलिस बल की मदद से जमीन को खाली करवाकर केसरवानी को कब्जा दिलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मुकदमा चलने के दौरान डिक्रीशुदा जमीन को दूसरे व्यक्तियों को धोखे से बेचने और लाभ कमाने के कारण अवस्थी परिवार पर धोखाधड़ी के अपराध के दर्ज मामले में जिला अदालत द्वारा दंड दिए जाने के सम्बन्ध में फैसला लिया जाना है ' यह मामला बताता है कि संपत्ति विवादों में कानूनी दांवपेच कितने जटिल हो सकते हैं और न्यायालय की नजर से कुछ भी छुपता।

दोहरे खेल की साजिश : जबलपुर हाईकोर्ट ने इस मामले में दिए गए फैसले में यह साफ कर दिया था कि रश्मि अवस्थी की आपत्ति केवल एक साजिश का हिस्सा थी। जब पिता योगेश अवस्थी वर्ष 1995 में किए गए जमीन सौदे की कानूनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक हार गए, तब दशकों तक चुप रहने के बाद पिता की मिलीभगत और सोची-समझी साजिश के तहत उनकी बेटी अचानक से अपने हिस्से का दावा लेकर अदालत पहुंच गई ताकि असली खरीदार केसरवानी को जमीन का कब्जा न मिल सके।

नानी की संपत्ति पर नहीं चलता बेटी का सिक्का : यह हाई कोर्ट का एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला था जिसमे कोर्ट ने बेहद चर्चित पारिवारिक संपत्ति विवाद में बेटी की हिस्सेदारी की दावेदारी खारिज करते हुए कहा कि हिंदू बेटी को हर सम्पत्ति में जन्मजात अधिकार नहीं होता है। यदि कोई संपत्ति किसी पुरुष को उसकी नानी से मिलती है तो ननिहाल से मिली संपत्ति कानूनी रूप से पुश्तैनी (पैतृक संपत्ति) नहीं मानी जाती है, बल्कि वह पिता की निजी अर्जित संपत्ति (Self-acquired Property) की श्रेणी में आती है। इसलिए पिता उस संपत्ति का पूर्ण स्वामी होने से उसे वह सम्पत्ति किसी अन्य को देने या बेचने का पूरा कानूनी हक होता है। नानी की संपत्ति पैतृक नहीं होने के कारण ही यदि पिता के हक की ऐसी निजी संपत्ति के संबंध में पिता ने कोई कानूनी समझौता कर लिया है और उसके आधार पर किसी अन्य के पक्ष में अदालती डिक्री हो चुकी है, तो पिता के कानूनी वारिस रिश्ते की ढाल बनाकर उसे 'पारिवारिक हिस्सा' बताकर अदालती डिक्री आदेश को चुनौती देकर उसे निष्फल नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने साफ किया कि 'पैतृक संपत्ति' (Ancestral Property) केवल वह है जो पिता, दादा या परदादा से विरासत में मिली हो।

कोर्ट की स्पष्ट अभूतपूर्व व्यवस्था- के अनुसार उसका संपत्ति के 1/3 हिस्से पर जन्मजात अधिकार है, लेकिन कड़ा रुख अपनाते हुए इस तर्क को सुप्रीम कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, अब यह कानूनी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है कि नानी की संपत्ति पर बेटी को कोई जन्मजात अधिकार प्राप्त नहीं होता है। इसलिए पिता को इसे बेचने या किसी को भी देने का पूर्ण कानूनी हक है।

संपादकीय

युद्ध कैसे समाप्त होगा?

अब यह सवाल इतना मौजू नहीं है कि ईरान युद्ध कितना लंबा चलेगा? कब समाप्त होगा? अब यह बुनियादी सवाल और गहरी चिंता है कि युद्ध कैसे समाप्त होगा? युद्ध के 20 दिन गुजर चुके हैं। अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान को कब्रिस्तान-सा बना दिया है। ईरान ने भी इजरायल की राजधानी तेल अवीव को खंडहर में तबदील कर दिया है। धार्मिक शहर येरुशलम भी छलनी हुआ है। इजरायल की 12,000 से अधिक इमारतें या तो क्षतिग्रस्त हुई हैं अथवा जमींदोज होकर मिट्टी-मलबा हो चुकी हैं। अब लगता है कि ईरान या तो खुद मिट्टी हो जाएगा अथवा इजरायल का अस्तित्व भी मिटा कर रहेगा! दोनों देशों में चरम की स्थिति है। कोई भी रात कयामत की रात साबित हो सकती है। ईरान ने खाड़ी देशों की सम्पन्नता के प्रतीक तेल ठिकानों, क्षेत्रों और रिफाइनरियों को जला कर खाक कर दिया है। उन देशों ने उत्पादन या तो बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम करने पड़े हैं। हवाई अड्डे तबाह, बर्बाद कर दिए गए हैं। पर्यटन को लेकर 60 करोड़ डॉलर प्रतिदिन का नुकसान झेलना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था 12-15 फीसदी गिर चुकी है। डॉलर बुरी तरह पिट रहा है, नतीजतन अमरीकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अमरीका को अभी तक करीब 17 अरब डॉलर युद्ध पर खर्च करने पड़े हैं, लिहाजा वहां भी असंतोष और आक्रोश है। ईरान लगभग तबाह, ध्वस्त हो चुका है। उसके 56 शीर्ष नेताओं की हत्या की जा चुकी है। उनमें सुप्रीम लीडर खामेनेई और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख लारिजानी भी शामिल हैं। अब इजरायल ने नए सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का भी डेथ वारंट जारी कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, विदेश मंत्री और संसद के स्पीकर आदि को भी टारगेट तय कर लिया गया है। ईरान की ऐतिहासिक इमारतें, रिहायशी घर और 200 से अधिक अस्पताल मिट्टी-मलबा हो चुके हैं।

महाशक्तियों की जंग के बीच भारत की कूटनीति का दमदार प्रदर्शन, बन रहा है नया वैश्विक शक्ति संतुलन

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है।

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा शक्ति संघर्ष अमेरिका और चीन के बीच तेजी से आकार ले रहा है। यह केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि सैन्य ताकत, तकनीकी वर्चस्व और भू रणनीतिक प्रभुत्व की निर्णायक होड़ है। वहीं इस महाशक्ति संघर्ष के बीच भारत एक बेहद संतुलित लेकिन आक्रामक कूटनीति गढ़ रहा है। भारत की रणनीति स्पष्ट है कि किसी गुट का पिछलग्गू बने बिना अपनी सामरिक ताकत को इतना मजबूत करना है कि बदलते वैश्विक समीकरणों में वह निर्णायक शक्ति बन सके।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है।

हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि एक ओर भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड मंच में सक्रिय भूमिका निभाता है, वहीं दूसरी ओर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर चीन और रूस के साथ भी सहयोग बनाए रखता है। यह संतुलन आधारित नीति भारत को दोनों पक्षों के साथ काम करने की स्वतंत्रता देती है और उसे एक निर्णायक मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

इसके अलावा, हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका तेजी से

बढ़ रही है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है और चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के कारण यहां शक्ति संतुलन का सवाल बेहद संवेदनशील बन चुका है। चीन ने पिछले एक दशक में दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ाई है। इसके जवाब में भारत ने समुद्री रणनीति को अपनी सुरक्षा नीति का केंद्रीय स्तंभ बना दिया है।

हम आपको बता दें कि भारतीय नौसेना का तेजी से होता आधुनिकीकरण इसी रणनीति का हिस्सा है। भारत अगले दस वर्षों में युद्धपोतों, पनडुब्बियों और समुद्री निगरानी तंत्र के विस्तार पर लगभग 40 अरब डॉलर खर्च करने की योजना पर काम कर रहा है। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के शामिल होने से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास विमान वाहक पोत बनाने की क्षमता है। इसके साथ ही अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सैन्य ढांचे का विस्तार हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत कर रहा है।

यह भी दिलचस्प तथ्य है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में चीन अपनी कुल सैन्य शक्ति का सीमित हिस्सा ही हिंद महासागर में तैनात कर सकता है, क्योंकि उसका मुख्य सैन्य ढांचा प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित है। इसके विपरीत भारत को भौगोलिक लाभ प्राप्त है और हिंद महासागर उसके लिए प्राकृतिक रणनीतिक क्षेत्र है। यही कारण है कि समुद्री शक्ति को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

भारत की सामरिक तैयारी केवल समुद्र तक सीमित नहीं है। हिमालयी सीमाओं पर भी बड़े पैमाने पर सैन्य ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। लद्दाख संकट के बाद भारत ने सीमा सड़कों, सुरंगों, हवाई पट्टियों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों का तेजी से निर्माण किया है। इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य संतुलन काफी हद तक भारत के पक्ष में मजबूत हुआ है।

इसके अलावा, तकनीकी क्षेत्र में भी भारत तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। भारतीय सशस्त्र बलों में लगभग पंद्रह लाख सक्रिय सैनिक हैं, जबकि रिजर्व और अर्धसैनिक बलों को मिलाकर कुल सैन्य शक्ति पचास लाख से अधिक है। इसके साथ ही भारत ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित सैन्य तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता भी भारत की रणनीतिक नीति का अहम हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात को तेजी से बढ़ाया है और स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहन दिया है। इसका उद्देश्य केवल आयात पर निर्भरता कम करना नहीं बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उद्योग का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना है।

इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव में भारत की कूटनीति के प्रभाव केवल एशिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक वैश्विक निहितार्थ भी सामने आ रहे हैं। भारत आज उस स्थिति में पहुंच चुका है जहां उसकी नीति विश्व शक्ति संतुलन को प्रभावित करने लगी है। यदि भारत अमेरिका के साथ गहरे सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाता है तो हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तार को रोकने वाला एक मजबूत संतुलन बन सकता है। दूसरी ओर यदि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करता है तो विश्व राजनीति में शक्ति का केंद्रीकरण कम होगा और कई क्षेत्रीय शक्तियों को उभरने का अवसर मिलेगा। ऊर्जा आपूर्ति मार्गों, वैश्विक व्यापार, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका लगातार निर्णायक बन रही है। यही कारण है कि आज यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देश भारत को उस शक्ति के रूप में देख रहे हैं जो अमेरिका चीन प्रतिस्पर्धा के बीच वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत की कूटनीति संतुलन की नीति है। भारत सीधे किसी शक्ति के खिलाफ खड़ा होने की बजाय अपनी सैन्य क्षमता, आर्थिक ताकत और तकनीकी शक्ति को मजबूत करते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि यही रणनीति आगे भी जारी रही तो आने वाले दशकों में अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच भारत केवल एक संतुलनकारी शक्ति नहीं रहेगा बल्कि वह वैश्विक राजनीति का वह निर्णायक केंद्र बन सकता है जो एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के शक्ति समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखते को मजबूर रहता है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग।

(ललित गर्ग)

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं

बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

बादलपार में मुख्य सड़क बनी तालाब, सड़ांध से जीना दूभर

कुरई। जनपद पंचायत कुरई अंतर्गत ग्राम पंचायत बादलपार के चांदनी चौक स्थित मुख्य सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जमा गंदा पानी अब तालाब का रूप ले चुका है, जिससे स्थानीय रहवासी और राहगीर गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। करीब दो वर्षों से बनी इस समस्या ने गांव की सुंदरता पर भी गहरा दाग लगा दिया है।

गंदे पानी से बीमारी का खतरा

मुख्य सड़क पर घरों, दुकानों और नल-जल योजना का पानी एकत्र होकर सड़ांध फैला रहा है। बदबू के कारण आसपास रहना मुश्किल हो गया है, वहीं मच्छरों के प्रकोप से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।

मुख्य मार्ग होने के बावजूद बदहाली

यह सड़क पेंच टाइगर रिजर्व के कर्माझिरी गेट तक जाने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां से प्रतिदिन प्रशासनिक अधिकारी, देश-विदेश के पर्यटक, स्कूली बच्चे और ग्रामीण आवागमन करते हैं। भारी यातायात और पानी भराव के कारण सड़क जगह-जगह धंस गई है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। नालियों पर अवैध कब्जा बना बड़ी वजह जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई नालियों को कई स्थानों पर ग्रामीणों द्वारा निजी स्वार्थ में पाट दिया गया है। नालियों के बंद होने से जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है और गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। 181 में शिकायत, फिर भी नहीं समाधान स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया और 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

ग्राम पंचायत सचिव महेश पाल ने बताया कि संबंधित नाली का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया है और विभाग को कई बार सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंचायत द्वारा भी अपने स्तर पर पानी निकासी के प्रयास किए गए, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों के विरोध के कारण कार्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि जब तक सभी ग्रामीण आपसी मतभेद छोड़कर सहयोग नहीं करेंगे, तब तक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। बादलपार की यह समस्या केवल प्रशासनिक लापरवाही ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर समन्वय की कमी का भी परिणाम है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रदेश सरकार की अनुकरणीय पहल है, जो फिजूलखर्ची कम कर सामाजिक समरसता दे रही है बढावा.....प्रदीप जायसवाल

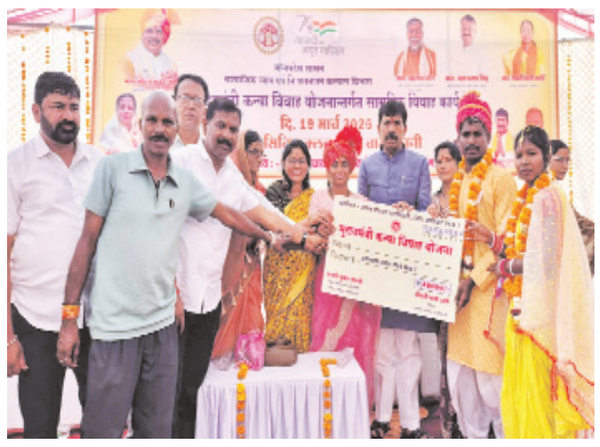

वारासिवनी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामुहिक विवाह कार्यक्रम मे आज विशेष रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सौ विवाहित जोडो को आशीर्वाद प्रदान कर प्रदेश सरकार की सोच को विस्तार से बताया। विवाह के पूर्व गाजे बाजे के साथ निकली बारात मे जनप्रतिनिधीगणो के साथ अधिकारीवर्ग भी उत्साह से शामिल हुये। विवाह समारोह मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ विधायक विवेक पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जप अध्यक्ष श्रीमती माया उइके, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले, मनोज टेंभरे, प्रदीप शरणागत, वेदप्रकाश पटेल, संदीप मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, अनिश मिश्रा के साथ अन्य जनप्रतिनिधीगण भी मंचासीन रहे। इस अवसर पर गुडडा भैया ने आज कहा की आर्थिक रूप से कमजोर परिवारो की सभी धर्मो की सौ बेटियो की शादी के लिये यह अनुकरणीय पहल है, जो फिजूलखर्ची कम कर सामाजिक समरसता को बढावा देती है।आज व्यक्तिगत रूप से लाभ पहुचाने वाली किसान सम्मान निधी, लाडली बहना सहित भाजपा सरकार की दर्जनो जनकल्याणकारी योजनाओ से ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रो के घरो की आर्थिक स्थिती मे सुधार हो रहा है। हम सरकार के समक्ष विवाहित जोडो की निर्धारित संख्या की शर्तो को हटाने की सलाह भी रख रहे है। सामुहिक विवाह मे बारात, विधि विधान से विवाह, जनप्रतिनिधीयो, भाजपा पदाधिकारीयो के साथ प्रमुख अधिकारीयो व गणमान्य लोगो की उपस्थिती से विवाह समारोह ने अपनी अमित छाप छोडने का कार्य किया। कार्यक्रम मे गुडडा भैया, जप अध्यक्ष श्रीमती माया उइके आदि ने वर वधू को प्रतिकात्मक रूप से प्रदेश सरकार की निर्धारित राशी का चेक प्रदान कर सभी के चेहरे मे खुशियो के भाव लाने का कार्य भी किया।

बकाया राशि न चुकाने पर तीन दुकानें सील, मौके पर 2.90 लाख की वसूली

बालाघाट । में कलेक्टर मृणाल मीना के निदेर्शानुसार राजस्व वसूली अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की गई। आज दिनांक 19 मार्च 2026 को तहसीलदार बालाघाट सुनील वर्मा के नेतृत्व में नजूल आरआई, हल्का पटवारी एवं राजस्व अमले द्वारा बकायादारों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सरेखा निवासी मनोज पिता रेवाशंकर द्वारा नजूल नवीनीकरण की बकाया राशि जमा नहीं करने पर उसकी तीन दुकानों को सील कर दिया गया। प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं की गई थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त डायवर्सन एवं नजूल मद की बकाया राशि नहीं चुकाने वाले अन्य बकायादारों के विरुद्ध भी कुर्की की कार्रवाई की गई। राजस्व अमला जब मौके पर पहुंचा, तो बकायादारों ने तत्काल 2.90 लाख रुपये की राशि जमा कर दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि नहीं चुकाने वाले सभी बकायादारों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

माता दंतेश्वरी की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न, भव्य कलश यात्रा व भंडारे के साथ गूंजा आस्था का स्वर

उगली । चैत्र प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा विक्रम संवत 2083 एवं चैत्र नवरात्रि के पावन शुभारंभ के अवसर पर आदिशक्ति मां भवानी शैलपुत्री के आह्वान के साथ आदिवासी हल्बा-हल्बी समाज द्वारा माता दंतेश्वरी कुलदेवी की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। ग्राम उगली, मोहबर्रा एवं झित्तर्रा के स्वजातीय बंधुओं के सहयोग से नगर के ठाकुरबर्रा खेल मैदान (उप तहसील परिसर के सामने) नव-निर्मित मंदिर में माता दंतेश्वरी की आकर्षक मूर्ति स्थापित की गई। इस अवसर पर 19 मार्च, गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बाजे-गाजे, आतिशबाजी एवं आकर्षक झांकियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा में समाज की माताएं, बहनें, बुजुर्ग एवं युवा भगवा वस्त्र धारण कर बड़ी संख्या में शामिल हुए। नगर में भव्य शोभायात्रा निकालते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह धार्मिक रंग में रंग गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उगली की सरपंच श्रीमती पुष्पलता इंद्रराज पोचाटे, कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रवक्ता नरेश कवास, शिक्षक ज्ञानीराम भोयर, प्रांतीय अध्यक्ष हल्बा-हल्बी समाज महेंद्र काटेवर, सेवानिवृत्त शिक्षक मनोहर चौधरी, शिक्षक महेश भोयर, ठेकेदार किशोर घाषले, खेमेन्द्र घासले, उगली सर्किल अध्यक्ष धनीराम भंडारी, अमर सिंह भंडारी, जनपद सदस्य आनंद भगत, पत्रकार राजदीप राहंगडाले सहित उगली पुलिस प्रशासन एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कलश यात्रा के पश्चात मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा संपन्न की गई। साथ ही नवरात्र के नौ दिनों के लिए जवारों की स्थापना की गई। कार्यक्रम का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज की एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को भी प्रदर्शित करता नजर आया।

भाजपा मंडल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

छपारा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला भाजपा मंडल छपारा में आयोजित किया गया सर्वप्रथम भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह जी द्वारा भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्जित कर पुष्प माल अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात भाजपा की पदाधिकारीयों द्वारा सभी ने अपना अपना डिजिटल पंजीयन कर कार्यशाला में उपस्थित हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के दौरान छपारा भाजपा मंडल में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में अलग-अलग वक्ताओं ने अलग-अलग विषय पर कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जिसमें सर्व प्रथम पूर्व भाजपा जिला महामंत्री जयदीप सिंह चौहान जिला महामंत्री गजानन पंचेश्वर जी सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन पूर्व विधायक श्रीमती शशि ठाकुर अशोक तेकाम जी, जिला भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष प्रेम तिवारी जी, आशीष सोनी जिला सोशल मीडिया प्रभारी सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विषय मे दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित होकर जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा कार्यकताओं को संगठनात्मक कार्यों के प्रति प्रशिक्षित करना प्रशिक्षण सत्र में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी संगठन की कार्य प्रणाली और विचारधारा प्रमुख विषय रहे सामाजिक समरसता सोशल मीडिया का इस्तेमाल पन्ना प्रमुख की भूमिका और देश प्रेम सहित अन्य विषयों में विस्तार से बताया गया इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकताओं ने समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया कार्यक्रम के समापन में मंडल अध्यक्ष ठाकुर अर्जुन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकताओं जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

सामूहिक विवाह सम्पन्न, 100 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

केवलारी। जनपद पंचायत अंतर्गत कृषि उपज मंडी खैरा पलारी में 13 मार्च 2026 को मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जन कल्याण विभाग के निदेर्शानुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत जनपद स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 100 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। आकर्षक पंडाल, फूलों की सजावट एवं लाइटिंग के साथ अतिथियों और परिजनों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पहुंचे परिजनों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में सभी जोड़ों का विवाह पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत सम्पन्न कराया गया। शासन द्वारा प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता चेक के माध्यम से प्रदान की गई। साथ ही उपहार सामग्री, विवाह प्रमाण पत्र एवं स्मृति स्वरूप फोटोग्राफी भी कराई गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। यह योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु संचालित की जा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिल सके। आयोजन को सफल बनाने में जनपद पंचायत केवलारी, स्थानीय प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनपद सदस्यों में नाराजगी

कार्यक्रम के दौरान जनपद सदस्यों में नाराजगी भी देखने को मिली। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत केवलारी से केवल दो जनपद सदस्य–दुर्गेश नागेश्वर (सकरी) एवं पलारी से राधेश्याम ठाकुर की धर्मपत्नी–ही कार्यक्रम में उपस्थित रहीं, जबकि अन्य जनपद सदस्यों के स्थान पर उनके प्रतिनिधि पहुंचे। एक जनपद सदस्य ने आरोप लगाया कि समाचार पत्रों में उनके नाम एवं फोटो प्रकाशित नहीं किए गए, जिससे उन्हें उपेक्षित महसूस हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कार्यक्रम में बड़े जनप्रतिनिधि उपस्थित होते, तो क्या उनके साथ भी ऐसा व्यवहार किया जाता। कुल मिलाकर आयोजन जहां एक ओर भव्य एवं सफल रहा, वहीं दूसरी ओर जनप्रतिनिधियों की नाराजगी चर्चा का विषय बनी रही।

तेज रफ्तार पर लगेगा ब्रेकः न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी मार्ग पर बनेगा स्पीड ब्रेकर

अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर द्वारा सहायक मंडल अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे शहडोल, ब्रजेश कुमार पाण्डेय को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में बताया गया कि अनूपपुर के पश्चिम दिशा में स्थित न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी एवं रेलवे गुड्स शेड के बीच निर्मित नए सीसी रोड पर दोपहिया और चारपहिया वाहन तेज गति से गुजर रहे हैं। तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे कॉलोनी में निवासरत रेलवे कर्मचारियों, उनके परिवारों, बच्चों एवं आम नागरिकों के लिए जान का खतरा बना हुआ है। मजदूर कांग्रेस ने मांग की है कि उक्त सीसी रोड पर तत्काल स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके और क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में शाखा सचिव जयंतो दास गुप्ता एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदास राठौर ने जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव को पूरी स्थिति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए श्री राव ने तत्काल रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर स्पीड ब्रेकर निर्माण की स्वीकृति दिला दी।

जल संकट से बेहाल बिजुरी, 7 दिन में समाधान नहीं तो सड़क पर उतरेंगे लोग

बिजुरी। कोयलांचल क्षेत्र बिजुरी में इन दिनों गहराया पेयजल संकट अब जनआक्रोश का रूप लेता जा रहा है। नगर सहित आसपास के इलाकों में बीते कई दिनों से पानी की नियमित आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे आमजन का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात इतने विकट हो चुके हैं कि लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए इस तरह जूझना प्रशासनिक लापरवाही का सीधा उदाहरण है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच संकट और गहराता जा रहा है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों ने भी इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बिजुरी एक कोयलांचल क्षेत्र है, जहां मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी कॉलरी प्रबंधन और प्रशासन दोनों की है। इसके बावजूद अब तक न तो कोई ठोस योजना सामने आई है और न ही आपूर्ति बहाल करने के प्रयास दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिजुरी के अध्यक्ष जय कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया है कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो यह समस्या गंभीर जनआंदोलन का रूप ले सकती है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और क्षेत्रवासियों ने प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि यदि आगामी 7 दिनों के भीतर जल संकट का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अनूपपुर में धूमधाम से मनाया गया भगवान झूलेलाल साईं का जन्मोत्सव, श्रद्धा और उत्साह से गूंजा शहर

अनूपपुर। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल साईं जी का जन्मोत्सव इस वर्ष अनूपपुर में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। पूरे दिन आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने शहर को भक्ति के रंग में रंग दिया। समाज के लोगों ने एकजुट होकर इस पावन अवसर को ऐतिहासिक रूप प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11 बजे भगवान झूलेलाल साईं जी की पूजा-अर्चना एवं आरती से हुई। यह विधि-विधान सिंधी समाज के सचिव अशोक डाबरा द्वारा नवयुवक मंडल के सदस्यों के साथ संपन्न कराया गया। भक्ति संगीत और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा। तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर 1 बजे भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाज सहित अन्य वर्गों के लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे ने सेवा, समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 19 मार्च को भारतीय सिंधी समाज द्वारा भव्य वाहन रैली निकाली गई, जिसमें मातृशक्ति, नवयुवक मंडल एवं वरिष्ठजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। भगवान झूलेलाल के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। शाम 5 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो सिंधी धर्मशाला से प्रारंभ होकर राम जानकी मंदिर, स्टेशन चौराहा होते हुए समातपुर मंदिर मड़फा तालाब पहुंची। यहां भगवान झूलेलाल साईं जी की दिव्य ज्योति का जल प्रवाह कर कार्यक्रम का समापन किया गया। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा जलपान एवं शीतल पेय से स्वागत किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ

छपारा। जनपद पंचायत छपारा के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुल्फ रैयत में 19 मार्च दिन गुरुवार को जनपद पंचायत छपारा अध्यक्ष सदम सिंह बरकडे के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया जनपद पंचायत अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत तुल्फ रैयत के ग्रामवासीयों एंव पंचायत के लोगों को समझाइश दिया उन्होंने कहा गर्मी में पानीं का उपयोग पानी की उपलब्धता के अनुसार करें क्योंकि पानी का लेवल धीरे धीरे नीचे जा रहा है हम सबकी जवाबदेही हैं पानी का लेवल बढ़ाए,अधिक संख्या में ताल तलैया कुआं कूप निर्माण कार्य किया जावे शासन की जल गंगा संवर्धन अभियान की सराहना करते हुए प्रशासन से अपेक्षा है और मेरा दायित्व है किसानों मजदूरों ग्रामीण द्वारा इस अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमि निर्वहन करेंगे जिससे आने वाले समय में हमें पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत तुल्फ रैयत के सरपंच श्रीमती केरा बाई धनीराम कुम्हरे सचिव रामकुमार मसराम पांच अमर लाल मरकाम दलसिंह उईके राइफल इनवाती गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गैजेट्स न बिगाड़ दें सेहत

इन दिनों हम हर वक्त किसी न किसी गैजेट से खुद को घिरा पाते हैं। ये गैजेट्स भले ही हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन हम इनकी वजह से कब बीमारियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इनके प्रभाव से कैसे करें अपना बचाव, बता रहे हैं पंकज घिल्डियाल

कंप्यूटर/लैपटॉप

आज कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करना मजबूरी भी है और कहीं-कहीं लत भी। इसके अधिक इस्तेमाल के कारण कई बार सेहत पर इसके दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जैसे शारीरिक सक्रियता का कम होना, नींद में कमी या स्लीप पैटर्न का गड़बड़ा जाना आदि। वहीं लैपटॉप के कारण गर्दन में दर्द एक बड़ी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। की-बोर्ड के नजदीक होने से झुकना पड़ता है। इससे गर्दन में खिंचाव होता है, जिससे दर्द होता है। कभी-कभी डिस्क भी खिसक जाती है।

टेलीविजन और लाइफ स्टाइल

क्या बच्चे, क्या बड़े, लोग घंटों टेलीविजन के सामने बैठ कर समय व्यतीत करते हैं। एक लेख के अनुसार लोगों द्वारा हर घंटे देखे गये टीवी से उनका जीवनकाल 22 सेकंड कम हो जाता है। हर भारतीय एक सप्ताह में औसतन 15-20 घंटे टीवी देखता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि टीवी के सामने हर रोज दो घंटे बिताने से टाइप 2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

वाईफाई/सेलफोन

अनेक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरलेस उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें कैंसर का कारण बनती हैं और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। स्वीडन में हुए एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग 20 वर्ष से कम उम्र में मोबाइल फोन का उपयोग शुरू कर देते हैं, उनमें ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। युवा आमतौर पर मोबाइल फोन से संगीत का आनंद उठाते हैं, लेकिन 85 डेसिबल से अधिक तेज ध्वनि किसी की भी सुनने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। स्टीरियो हेडफोन से निकलने वाली तरंगें 100 डेसिबल तक पहुंच जाती हैं।

वीडियो गेम

वीडियो गेम में बच्चों का जबरदस्त क्रेज है। घंटों वीडियो से चिपके रहना सामान्य बात है। अधिक समय तक वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। बच्चे जहां अधिक आक्रामक हो रहे हैं, वहीं दोस्तों से झगड़ना, आंखों की रोशनी कम होना, मोटापा बढ़ना आदि बहुत से प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

गुस्सैल न हो जाए आपका स्वभाव

लंदन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग कंप्यूटर पर 4 घंटे या उससे ज्यादा समय बिताते हैं, उन्हें अन्य लोगों के मुकाबले दिल की समस्या होने की आशंका 125 फीसदी अधिक रहती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने वालों को मृत्यु का खतरा अन्य लोगों के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा होता है। इसी तरह अगर आप रोजाना मोबाइल पर 4 घंटे से ज्यादा बात करते हैं तो आपका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले की एक स्टडी पर गौर करें तो 70 प्रतिशत से अधिक कंप्यूटर यूजर्स को कंप्यूटर चश्मे की जरूरत पड़ती है।

दुष्प्रभाव से कैसे बचें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करते हुए हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक लें या हर आधे घंटे के बाद दो-तीन मिनट के लिए अपनी आंखों को कंप्यूटर से हटा लें।

वीडियो गेम खेलने का समय और अवधि निर्धारित करें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय हमारी पीठ सीधी हो, खासकर रीढ़ की हड्डी। कंप्यूटर की स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होनी चाहिए। स्क्रीन से आंखों की दूरी दो फुट होनी चाहिए।

टीवी कभी भी अंधेरे में न देखें, वहां हमेशा पर्याप्त रोशनी बनाए रखें।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 1 घंटा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से मस्तिष्क में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ सकता है।

हमेशा बड़ी स्क्रीन के लैपटॉप का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से पॉश्चर पर ज्यादा दबाव नहीं आता।

लैपटॉप की स्क्रीन आंखों के समान लेवल या एंगल पर होनी चाहिए, ताकि आपको अपनी आंखें स्क्रीन पर रखने के लिए गर्दन को घुमाना या मोड़ना न पड़े।

मोबाइल फोन में बैक्टीरिया!

एक रिसर्च में पाया गया है कि मोबाइल फोन में टॉयलेट के फ्लश हैंडल से औसतन 18 गुना ज्यादा हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। इनकी वजह से पेट में गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि ब्रिटेन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन्स के 6.3 करोड़ में से 1.47 करोड़ यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

आर्थोस्कोपिक

सर्जरी दूर होंगी कंधे से जुड़ी समस्याए

क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, कराटे जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण देश के युवा वर्ग की जीवन-शैली भी तेजी से बदल रही है। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से ही लंबी सूची में जोड़ों के लिगामेंट

टूटने, मांसपेशियों से संबंधित दिक्कतें, हड्डियों के कार्टिलेज खराब होने जैसी कई परेशानियां जुड़ गई है।

युवाओं में कंधे का डिसलोकेशन (कंधे का अपने नियत स्थान से खिसक जाना) और इससे जुड़ी दूसरी बीमारियां और मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों व बुजुर्गों में फ्रोजन शोल्डर (कंधा जाम होना या कंधा घुमाने में

दर्द होना) और शोल्डर रोटेटर कफ टीयर (सिर के ऊपर वस्तु उठाने में दिक्कत होना) नामक रोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं। अतीत में लोग इन समस्याओं को बर्दाश्त कर लेते थे और जीवन-शैली से समझौता कर लेते थे।

ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एक ही विकल्प उपलब्ध था- बड़ी ओपन सर्जरी। इस सर्जरी की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि इससे कंधे का मूवमेंट सीमित हो जाता था, लेकिन वर्तमान दौर में लोगों की अपेक्षा रहती है कि

कंधे का मूवमेंट सीमित न रहे। वर्तमान दौर में आज एमआरआई जांच और आर्थोस्कोपिक

सर्जरी के जरिये कंधे से संबंधित उपर्युक्त रोगों का इलाज कारगर ढंग से संभव है।

'की होल' सर्जरी

अब 'की होल' सर्जरी द्वारा छोटे चीरे से ही इस समस्या का अच्छी तरह इलाज किया जा सकता है। इससे न सिर्फ जटिलताएं कम होती हैं बल्कि परिणाम भी अच्छा हासिल होता है। साथ ही, स्वास्थ्य-लाभ (रिकवरी) भी काफी तेज होता है। कंधों के इलाज के लिए अतीत में देश के क्रिकेटर विदेश जाते रहे हैं। अब यह सब कुछ भारत में किया जा रहा है।

युवाओं की समस्याएं

युवाओं में कंधे की जो समस्याएं सबसे आम हैं, उनमें एक है कंधे का बार-बार अपने नियत स्थान से हट जाना। इस स्थिति को शोल्डर डिसलोकोशन कहते हैं। यह समस्या कंधे की संरचना के कारण है, क्योंकि कंधे का जोड़ (ज्वाइंट) एक अस्थिर जोड़ है। इसमें बॉल बड़ी और सॉकेट छोटा है। इसलिए एक बार कंधा डिसलोकेट हो जाए तो 10 में से 7 मामलों में

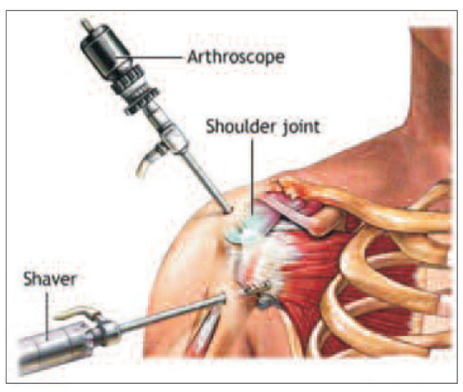

इसके फिर ऐसा होने की संभावना रहती है। पहले इस तरह की समस्याओं का कारण ही नहीं पता चलता था क्योंकि जांच के दौरान आमतौर पर कोई चिकित्सकीय संकेत नजर नहीं आता था। मरीज इनके साथ ही जीना सीख जाता था। आज एमआरआई और सी टी स्कैन से कंधे की संरचनात्मक जांच और आर्थोस्कोपिक सर्जरी से ज्यादातर मामलों में एनाटॉमिक रिपेयर या एनाटॉमिक रिकंस्ट्रक्शन द्वारा सफल निदान संभव है।

मिडिल एज की समस्याएं

मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों और खासकर डाइबिटीज के रोगियों में कंधा अक्सर सख्त या जाम हो जाता है। इसे फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है। यह पीड़ित व्यक्ति के कार्यों को सीमित करने वाली बीमारी है और मरीज अक्सर करीब एक साल में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। कंधे के बीच कॉर्टिसोन (स्टेरॉयड) इंजेक्ट करके ठीक होने की अवधि को कम किया जा सकता है, लेकिन कंधे से संबंधित गंभीर मामलों में आर्थोस्कोपिक सर्जरी जरूरी हो जाती है।

मध्य आयु के और बुजुर्ग लोग कफ डिजीज से भी ग्रस्त होते हैं। कफ मांसपेशियों का एक समूह है, जो कंधे के मूवमेंट को नियंत्रित करता है। यह सिर से कंधे के ऊपर तक जाता है और अक्सर हड्डियों के बीच दब जाता है, जो कभी-कभी फट जाता है। इसे रोटेटर कफ टीयर कहते हैं। इस समस्या का सफल उपचार आर्थोस्कोपिक सर्जरी है।

सर्जरी के फायदे

आर्थोस्कोपिक सर्जरी कंधे की %की-होल% सर्जरी है, जहां जोड़ के अंदर के हिस्से को पेंसिल के आकार के एक पतले टेलीस्कोप से देखा जाता है। टेलीस्कोप से एक छोटा वीडियो कैमरा जुड़ा होता है और इस तरह जोड़ के अंदर का हिस्सा टीवी स्क्रीन पर देखा जा सकता है। यह सब एनेस्थेसिया देने के बाद दो या तीन छोटे सुराख के जरिए किया जाता है। चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन के बाद की अवधि में कम से कम असुविधा होती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। मरीज को सिर्फ एक दिन अस्पताल में रहना पड़ता है और वह हल्की पट्टी लगाकर घर आ सकता है।

सप्ताह भर के बाद कई पट्टियां हट जाती हैं और मरीज को प्रेरित किया जाता है कि वह कंधे को हिलाए। फिजियोथेरेपी से वापस हिलाने की ताकत और क्षमता हासिल करने में सहायता मिलती है।

ऐसे में न जाएं जिम

जिम में सभी फिट रहने के लिए जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि जिम जाने से शरीर को नुकसान भी पहुंच सकता है? किन-किन स्थितियों में जिम जाने से बचना चाहिए, बता रही हैं।

जिम जाएं सेहत बनाने के लिए, न कि सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए। आपकी उम्र कम या अधिक है या आप गर्भवती हैं या फिर आप अक्सर दोपहर में जिम जाते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं।

अगर 14 साल से कम उम्र है

जिम 14 साल की उम्र के बाद ही जाना चाहिए। 14 वर्ष से कम उम्र में जिम में व्यायाम करने से बच्चों के शरीर को क्षति पहुंच सकती है, क्योंकि कम आयु में बच्चों की हड्डियां बहुत संवेदनशील होती हैं। उनकी मांसपेशियां और नसें भी नरम होती हैं। ऐसे में उन्हें जिम में हार्ड वर्कआउट करना नुकसानदायक होता है। यह शरीर के विकास पर भी बुरा असर डाल सकता है। इतना ही नहीं, यदि 15 से 20 वर्ष की उम्र में जिम जाना शुरू कर रहे हैं तो अपना बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) जरूर जांच करवा लें और उसके बाद डॉक्टर से सलाह लेकर ही जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत करें।

दोपहर के समय जिम नहीं

जिम जाने के लिए बेहतर समय तो सुबह का ही है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी सहूलियत के मुताबिक जिम जाने लगे हैं। कोई सुबह जाता है तो कोई शाम को और कोई रात को। अगर आप सुबह वक्त नहीं निकाल पा रहे हैं तो शाम और रात का समय जिम में वर्कआउट के लिए फिर भी ठीक है, लेकिन दोपहर लगभग बारह बजे से चार बजे तक जिम जाने से बचें। इस समय आपका शरीर वर्कआउट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होता। अगर रात को आप खाना देर से खाते हैं तो ही रात को जिम जाएं और खाना खाने के बाद जिम में एक्सरसाइज बिलकुल न करें।

गर्भवती या मासिक धर्म होने पर

फिटनेस फिएस्टा की कोच गीता चौधरी बताती हैं कि महिलाओं के लिए जिम जाना अच्छा होता है। इससे भविष्य में उनकी सेहत को फायदा होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं को जिम जाने से गुरेज करना चाहिए। इसकी अपेक्षा वह योग या अन्य हल्के व्यायाम डॉक्टर से सलाह ले कर करें। इसके अलावा डिलीवरी होने के बाद भी पांच महीने तक जिम न जाएं। उसके बाद अपनी डिलीवरी रिपोर्ट जिम इंस्ट्रक्टर को दिखा कर उनकी सलाह के अनुसार जिम में व्यायाम शुरू करें। महिलाओं को मासिक धर्म के समय भी जिम नहीं जाना चाहिए, बल्कि मासिक धर्म का दर्द शुरू होने पर भी जिम न जाएं। उस समय महिलाओं में रक्त संचार तेज होता है, जिसमें जिम की एक्सरसाइज से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्हें कमजोरी महसूस हो सकती है, चक्कर आ सकते हैं।

45 पार कर गए तो

लगभग 45 की उम्र के बाद शरीर की शक्ति कम हो जाती है, साथ ही हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। इस अवस्था में जिम में व्यायाम करने पर कई तरह की परेशानियां शरीर को सताती हैं। ऐसे में जिम सोच-समझ कर ही जाएं। यदि आप पहले से जिम नियमित तौर पर जाते रहे हैं तो 60 वर्ष की आयु तक भी जिम जा सकते हैं, क्योंकि ऐसे में शरीर में पहले ही स्ट्रेंथ बन जाती है।

कमर या पैर की तकलीफ में

कमर या पैर संबंधी गंभीर रोग या परेशानी होने पर जिम से परहेज करें। यही नहीं, किसी भी तरह की अंदरूनी बीमारी जैसे अटैक्स, पथरी आदि में भी जिम का व्यायाम नुकसानदायक हो सकता है। हो सके तो ऐसी परिस्थितियों में जिम को नजरअंदाज ही करें या अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही जिम में वर्कआउट करें।

'मातृभूमि' में दिखेगा नया रोमांटिक रंग, 'चांद देख लेना' के टीजर में दिखी सलमान खान

चित्रांगदा सिंह

की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आए हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि का नया गाना चांद देख लेना का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है. इस छोटे से टीजर ने ही फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट को कई गुना बढ़ा दिया है, क्योंकि इसमें रोमांस, इमोशन और म्यूजिक का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है. टीजर की शुरुआत ही ऐसे विजुअल्स से होती है जो सीधे दिल को छू जाते हैं.सलमान खान की अपकमिंग फिल्म मातृभूमि, जिसे पहले बैटल ऑफ गलवान के नाम से जाना जाता था एक वॉर ड्रामा है, जो भारत-चीन के बीच हुए गलवान संघर्ष पर बेस्ड है. अपूर्व लाखिया की डायरेक्शन

में बनी इस फिल्म में सलमान खान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आने वाले हैं. फिल्म में सलमान के साथ पहली बार चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. गाने की बात करें, तो सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर चांद देख लेना गाने का टीजर शेयर किया है.

फ्रेश आवाज से बढ़ी एक्साइटमेंट

चांद देख लेना गाने को निहाल टौरो और अंकोना मुखर्जी ने आवाज दी है, जो एक फ्रेश जोड़ी की आवाज बनकर सामने आने वाले हैं. म्यूजिक की बात करें तो फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है, जो पहले भी कई हिट गाने दे चुके हैं. वहीं इस फिल्म का पहला देशभक्ति गीत मातृभूमि पहले ही लोगों को काफी पसंद आ चुका है, और अब चांद देख लेना के टीजर ने उम्मीदों को और बढ़ा दिया है.

टीजर ने जीता लोगों का दिल

14 सेकेंड के इस टीजर के रिलीज होते ही फैंस सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. कई यूजर्स इसे इमोशनल और दिल को छू लेने वाला बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि यह गाना फिल्म का सबसे खास हिस्सा साबित हो सकता है.

फिल्म के साथ ही साथ इस गाने में सलमान और चित्रांगदा की केमेस्ट्री देखने के लिए लोग काफी बेताब हैं. हालांकि, गाना रिलीज कब होगा इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है. फिल्म की बात करें, तो ये 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है.

श्रेया घोषाल

ने जोड़े सलमान खान के सुपरहिट गाने से हाथ, बताई Fevicol Se रिजेक्ट करने की वजह

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर सिंगर में से एक श्रेया घोषाल अक्सर अपने गानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं. बीते दिनों श्रेया घोषाल ने अपने गाने 'चिकनी चमेली' को लेकर बात की थी और कहा था कि उस तरह के गाने वो अब और नहीं गाएंगी. इसी बीच अब सिंगर ने एक और पॉपुलर गाने को लेकर खुलासा किया है कि सलमान खान का वो सॉन्ग उन्हें ऑफर हुआ था. लेकिन श्रेया घोषाल ने इसे गाने से इनकार कर दिया था. श्रेया घोषाल ने बताया कि एक बार उन्होंने फिल्म 'दबंग 2' का मशहूर गाना 'फेविकोल से' गाने से रिजेक्ट कर दिया था.

श्रेया घोषाल ने हाल ही में राज शमानी के साथ बातचीत के दौरान उस वजह के बारे में बताया, जिसकी वजह से उन्होंने उस गाने से पीछे हटने का फैसला किया था, भले ही वो एक बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा था. श्रेया घोषाल ने खुलासा किया कि 'फेविकोल से' गाने के बोल उन्हें सुनकर अजीब लग रहा था, जिसकी वजह से उन्होंने इसे रिकॉर्ड न करने का फैसला किया.

क्यों रिजेक्ट किया फेविकोल से ?

सलमान खान की दबंग 2 के गाने 'फेविकोल से' पर बात करते हुए श्रेया घोषाल ने कहा, उस फिल्म में एक गाना था, जिसमें बहुत ज्यादा ऑब्जेक्टिफिकेशन था. ये बिल्कुल भी सटल नहीं था ङ्क ये कुछ ऐसा था जैसे चिकन बना के खा ले और ये करके लिपट ले मैं ये शब्द बोल भी नहीं सकती. इसे सुनकर मेरा चेहरा शर्म से लाल हो जाता है. मैं ऐसा नहीं कर सकती. इसलिए कुछ ऐसे पल आए जब मैं हाथ जोड़कर वहां से चली गई.

बना बॉलीवुड का सबसे हिट आइटम नंबर

हालांकि, ये गाना फिल्म के सबसे मशहूर डांस नंबर्स में से एक बन गया और इसमें करीना कपूर खान एक स्पेशल अपीयरेंस में नजर आईं. श्रेया की बात करें तो उनके प्लेबैक सिंगिंग के सफर की शुरुआत संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' से हुई, जिसका संगीत इस्माइल दरबार ने तैयार किया था. इस फिल्म के उनके गाने 'बैरी पिया' के लिए उन्हें 'बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर' का नेशनल अवॉर्ड मिला और यहीं से उनके सक्सेसफुल करियर की शुरुआत हुई.

विकी कौशल ने स्टेज पर पत्नी को लेकर ऐसा क्या कहा, जो फैंस ने लगा डाली क्लास

बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल आखिरी बार साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में नजर आए थे. इस ब्लॉकबस्टर मूवी से विकी कौशल ने खूब तारीफें बटोरीं. एक बार फिर विकी कौशल सुर्खियों में आ गए हैं और इसकी वजह है उनका वायरल वीडियो. इन दिनों विकी कौशल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक्टर ने कुछ ऐसा कह डाला, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल होना पड़ रहा है. दरअसल, विकी कौशल हाल ही में एक शादी में शामिल हुए और इस दौरान उन्होंने इनडायरेक्टली पत्नी को लेकर एक मजाक (वाइफ जॉक्स) कर डाला, जिसकी वजह से उनकी ऑनलाइन काफी आलोचना हो रही है.

बॉलीवुड स्टार विकी कौशल और कटरीना कैफ इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं. अक्सर दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं. हालांकि, हाल ही में एक शादी में विकी का पत्नी पर मजाक करते हुए एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसकी वजह से इंटरनेट पर कई लोगों ने उन्हें क्रिटिसाइज करना शुरू कर दिया. उस वीडियो में आखिर ऐसा क्या था, आइए जानते हैं.

विकी का वायरल वीडियो

इस वायरल क्लिप में विकी दूल्हे के पिता से मजाकिया अंदाज में बात कर रहे हैं और दूल्हे से पूछने के लिए कह रहे हैं, हाउ इज द जोश? जब ऑडियंस ने हाई, सर! कहा, तो विकी ने मजाक में कहा, मैंने ये देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई रहता है. हम शादी-शुदा लोगों का जोश साल दर साल गिरता रहता है. पर टेंशन लेने की बात नहीं है, 4 दिन में जोश कम नहीं होता.

नेटिजन्स ने लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में लोगों को इनडायरेक्टली वाइफ पर जोक्स करना अच्छा नहीं लगा और लोगों ने उनकी जमकर क्लास लगाई. एक यूजर ने लिखा ङ्क साल 2026 आ गया है और हम अभी भी औरतों के खिलाफ शादी का मजाक उड़ाने वाले जोक्स कर रहे हैं. इन्हें तो 2016 में 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में ही छोड़ देना चाहिए था. दूसरे ने कमेंट किया ङ्क मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं आता जब मर्द सबके सामने अपनी शादी का मजाक उड़ाते हैं.

Sara Ali Khan अब नहीं जा पाएंगी केदारनाथ? देना होगा एफिडेविट, कंगना बोलीं- सब सनातनी हैं, लिखने में क्या...

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान महादेव की बहुत बड़ी भक्त हैं. अपनी डेब्यू फिल्म 'केदारनाथ' के बाद से ही बाबा केदारनाथ में गहरी आस्था रखती हैं, साथ ही अक्सर वहां जाती हैं. अपनी इस यात्रा की तस्वीरें भी वो फैन्स के साथ शेयर करती रही हैं. मुस्लिम परिवार से होने के बावजूद महादेव में उनकी गहरी आस्था देखने को मिलती हैं. केदारनाथ के अलावा उज्जैन और दूसरे ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करती नजर आती हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोल होने के बावजूद सारा को उनकी आस्था और सादगी के लिए सराहा जाता रहा है. पर क्या वो अब केदारनाथ नहीं जा पाएंगी. उन्हें चार धाम यात्रा से पहले यह काम करना होगा, जानिए पूरा मामला क्या है?

दरअसल बद्री-केदार मंदिर समिति ने एक नया नियम लागू किया है. अब नॉन हिंदू विजिटर्स को बद्रीनाथ और केदारनाथ में पूजा-अर्चना करने के लिए एक एफिडेविट देना होगा. जिसमें उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था का प्रमाण देना होगा. यह आदेश सभी नॉन हिंदू विजिटर्स पर लागू होता है, जिसमें सारा अली खान भी शामिल हैं, जो अक्सर केदारनाथ जाती रहती हैं. इस मामले पर कंगना रनौत का बयान भी सामने आया है.

मैं अपने ऑटोमैटिक लॉक सिस्टम से खुश हूं

जब कृष्णा टास्क हारकर बाहर आईं, तो सभी ने उन्हें घेर लिया. आरुषि चावला ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमें पता है कि वो अमीर हैं, लेकिन इतनीज? जब कृष्णा से पूछा गया कि क्या उन्होंने सच में अपनी पूरी जिंदगी में कभी चाबी से ताला नहीं खोला है, तब कृष्णा ने बड़ी सादगी से अपनी 'लक्जरी लाइफ' की हकीकत बयां की.

सारा अली खान को देना होगा एफिडेविट

अब बद्री-केदार मंदिर समिति ने नए नियम लागू कर दिए हैं. अब अगर एक्ट्रेस सारा अली खान को केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों में पूजा-अर्चना जारी रखनी है, तो फिर इसके लिए एक एफिडेविट देना होगा. समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों में दर्शन के इच्छुक सभी नॉन-हिंदू विजिटर्स को एफिडेविट देना अनिवार्य होगा. जिसमें वो हिंदू धर्म में अपनी आस्था का प्रमाण देंगे. PTI के मुताबिक, नॉन-हिंदू विजिटर्स, जिनका सनातन धर्म में विश्वास है, और वो लिखकर देते हैं, जिसमें कहा गया हो- मैं एक सनातनी हूं, मैं हिंदुत्व में विश्वास रखती हूं', उन सभी का स्वागत है.इस दौरान यह भी क्लियर किया गया कि, दर्शन करने आ रहे लोगों को एक लिखित प्रमाण देना होगा. जिसमें हिंदू धर्म में उनकी आस्था का जिक्र हो. यह नियम उन सभी गैर-हिंदू भक्तों पर लागू होगी, जो इन दोनों मंदिरों में से किसी में भी पूजा-अर्चना के लिए आते हैं.

बदला मौसम का मिजाजः बारिश से मिली राहत, 22 मार्च के बाद फिर बढ़ेगी गर्मी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश में तेज गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश के कई हिस्सों में बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश ने लोगों को राहत दी है। शुक्रवार देर रात गरज-चमक के साथ हुई बारिश और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे दिनभर की तपिश कम हो गई। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में बीती रात हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बौछारें भी पड़ीं। इस बदलाव के चलते दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। जहां पहले तापमान सामान्य से काफी ऊपर चल रहा था, वहीं अब यह सामान्य के करीब पहुंच गया है। आज और कल भी प्रदेश के कई इलाकों में बादलों की आवाजाही बनी रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इससे गर्मी से अस्थायी राहत जारी रह सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि 22 मार्च के बाद मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा और इसके साथ ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे कई सिस्टम एक साथ सक्रिय हैं। उत्तर मध्य भारत, पश्चिमी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के आसपास ऊपरी हवा के चक्रवातीय परिसंचरण बने हुए हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश से मराठवाड़ा तक एक ट्रफ लाइन भी गुजर रही है, जो मौसम को प्रभावित कर रही है। वहीं उत्तर-पश्चिम दिशा में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर भी प्रदेश के मौसम पर पड़ा है। इसके अलावा 22 मार्च के आसपास एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय होने की संभावना है, जिससे मौसम में फिर हल्का बदलाव संभव है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे फसलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाएं, क्योंकि तापमान में उतार-चढ़ाव का असर रबी फसलों पर पड़ सकता है। वहीं आम लोगों को भी बदलते मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर, फिलहाल प्रदेश में मौसम सुहावना बना हुआ है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। आने वाले दिनों में एक बार फिर तेज गर्मी का दौर लौटने की पूरी संभावना है।

इंदौर के युवक अक्षय शर्मा अपहरण-हत्याकांड में बड़ा खुलासा

जबलपुर से तीन आरोपी गिरफ्तार, बर्बरता की कहानी ने दहलाया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

इंदौर के चर्चित अक्षय शर्मा अपहरण और हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे तीन मुख्य आरोपियों को जबलपुर पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज मामले में आरोपियों की बर्बरता और अमानवीय यातनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस के अनुसार, इंदौर में वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शशिकांत शर्मा, रवि शर्मा और गौरव शर्मा फरार होकर जबलपुर में अलग-अलग ठिकानों पर छिपे हुए थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शशिकांत को एक भाजपा नेत्री के घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसके अन्य साथियों रवि और गौरव को भी पास के एक अन्य मकान से दबोच लिया गया। इस पूरे ऑपरेशन को कोतवाली सीएसपी रितेश कुमार शिव के नेतृत्व में अंजाम दिया गया, जिसमें लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य की टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने पहले ही इन आरोपियों पर इनाम घोषित कर रखा था।

जमीन विवाद बना हत्या की वजह

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अक्षय शर्मा का अपने चाचा गोविंद शर्मा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश ने इस जघन्य हत्याकांड का रूप ले लिया।

प्रदेश में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

इस निर्मम हत्याकांड ने पूरे प्रदेश में आक्रोश पैदा कर दिया है। आमजन के साथ-साथ सामाजिक संगठनों ने भी आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निर्दयता की हदें पार, फार्महाउस में दी गई अमानवीय यातनाएं

जांच में सामने आया है कि 17 जनवरी को आरोपियों ने मिलकर अक्षय शर्मा का अपहरण किया था। उसे जबरन कार में बैठाकर इंदौर से करीब 100 किलोमीटर दूर शाजापुर ले जाया गया। वहां एक फार्महाउस में उसे निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों ने गर्म लोहे की रॉड से उसके शरीर को दागा और कई तरह की अमानवीय यातनाएं दीं। गंभीर रूप से घायल हालत में 18 जनवरी को उसे इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में छोड़कर आरोपी फरार हो गए। इलाज के दौरान 22 जनवरी को अक्षय की मौत हो गई।

आठ से ज्यादा आरोपी, कई पहले ही हो चुके गिरफ्तार

इस मामले में कुल आठ से अधिक आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इससे पहले इंदौर पुलिस विनोद, राहुल और रिंकू को गिरफ्तार कर चुकी है। अब जबलपुर से तीन और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस का शिकंजा और कस गया है। हालांकि, अभी भी सत्यम और एक अन्य आरोपी रवि फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर अवांछितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

आरपीएफ-जीआरपी ने चलाया अभियान ऑटो चालकों व अवैध पार्किंग पर भी शिकंजा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी ने संयुक्त रूप से सख्त अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को प्लेटफॉर्म पर लंबे समय से डेरा जमाए बैठे अवांछित लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। टीम ने प्लेटफॉर्म को अस्थायी आश्रय स्थल बनाकर रह रहे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया और स्टेशन परिसर को खाली कराया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने प्लेटफॉर्म पर सो रहे लोगों को एक-एक कर उठाया और उन्हें स्टेशन से बाहर किया। अधिकारियों का कहना है कि कई लोग महीनों से प्लेटफॉर्म को ही रात्रि विश्राम का ठिकाना बनाकर रह रहे थे, जिससे न केवल यात्रियों को असुविधा हो रही थी, बल्कि सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ रही थीं। अभियान के तहत केवल अवांछित व्यक्तियों को हटाने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रही, बल्कि स्टेशन परिसर में अनियमित गतिविधियों पर भी कड़ा रुख अपनाया गया। प्लेटफॉर्म के अंदर घुसने वाले ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र से हटाया गया। इसके साथ ही गैर-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। आरपीएफ प्रभारी ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे परिसर केवल यात्रियों की सुविधा के लिए है, इसे अवैध रूप से ठहरने या अन्य गतिविधियों के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से स्टेशन परिसर में साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं यात्रियों ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे स्टेशन का माहौल बेहतर होगा और यात्रा अधिक सुरक्षित बन सकेगी।

जमीन विवाद बना खूनखराबे की वजह: साले ने लाठी से पीट-पीटकर जीजा की हत्या, देर रात वारदात से गांव में सनसनी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पनागर थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरी में जमीन विवाद ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। पारिवारिक रिश्तों को तार-तार करते हुए साले ने अपने ही जीजा पर लाठी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, मृतक 40 वर्षीय सुनील सिंह मूल रूप से तेंदूखेड़ा का निवासी था, जो शादी के बाद अपने ससुराल ग्राम टिकरी में ही रहकर जीवन यापन कर रहा था। लंबे समय से ससुराल पक्ष की जमीन को लेकर उसका अपने साले दिलीप गोंड और उसके परिवार से विवाद चल रहा था। घटना की रात एक बार फिर जमीन को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान सुनील सिंह ने आवेश में आकर आरोपी के बड़े भाई को अपशब्द कह दिए, जिससे माहौल और ज्यादा बिगड़ गया। गुस्से में आए दिलीप गोंड ने पास में रखी लाठी उठाई और सुनील पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से सुनील गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद परिजन घायल सुनील को तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। इस दर्दनाक घटना से परिवार में मातम पसर गया। सूचना मिलते ही पनागर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी दिलीप गोंड को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि जमीन विवाद किस तरह रिश्तों को खत्म कर खूनखराबे में बदल सकता है।

छत में कर रखा था अवैध शराब का स्टॉक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अधारताल थाना अतंर्गत गांधी चौक कटरा में मुखबिर की सूचना पर एक शराब तस्कर के यहां दबिश दी यहां पर पुलिस को 25 शराब की पेटियां मिली पुलिस ने इस मामलें में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तीसरा आरोपी छत से कूदकर फरार हो गया।

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थि रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रस्तूति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग●बर्न यूनिट●हॉर्ट अटैक●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

सुधा
मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड हाई रिस्क प्रेगनेन्सी सेन्टर
डॉ. सुधा चौबे एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मयंक चौबे फैमिली फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती की सुविधा उपलब्ध
सुविधा
» सुसज्जित प्रसूतिका विभाग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) » मेडिसिन विभाग » प्लास्टिक सर्जरी » न्यूरो सर्जरी विभाग » जनरल सर्जरी विभाग » यूरोलॉजी विभाग » पाईल्स यूनिट » आर्थो विभाग एवं ट्रामा यूनिट, नाक, कान, गला (ई.एन.टी) » एक्स-रे, खून, पेशाब की जांच (पैथोलॉजी) सोनोग्राफी डी- फिब्रीलेटर, वेन्टीलेटर- आई.सी.यू. की सुविधा » एम्बुलेन्स सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है
837, गौल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: दादा की अधिग्रहीत जमीन के बदले पोते को नौकरी नहीं, केट का आदेश निरस्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने भूमि अधिग्रहण के बदले नौकरी देने से जुड़े एक अहम मामले में स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ सीमित दायरे में ही दिया जा सकता है और इसमें पोते को शामिल नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (केट) के आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि नौकरी का प्रावधान केवल जमीन मालिक, उसके पति या पत्नी और बेटे-बेटी तक ही सीमित है। पोते को नौकरी देने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, ऐसे में केट द्वारा पुनर्विचार का निर्देश कानून के विपरीत था।

रीवा-सीधी रेलवे परियोजना से जुड़ा मामला

मामला रीवा-सीधी रेलवे परियोजना से जुड़ा है, जिसमें जगत प्रताप सिंह की जमीन का अधिग्रहण किया गया था और अप्रैल 2013 में उन्हें मुआवजा दिया गया। इसके बाद दिसंबर 2013 में रेलवे ने अधिसूचना जारी कर प्रभावित परिवारों को नौकरी देने का प्रावधान रखा। अधिसूचना के आधार पर जगत प्रताप सिंह के पोते भैया प्रशांत सिंह ने नौकरी के लिए आवेदन किया, जिसे रेलवे ने खारिज कर दिया। इसके बाद मामला केट पहुंचा, जहां 21 मार्च 2025 को पोते के आवेदन पर पुनर्विचार का आदेश दिया गया था।

परिवार के पास पर्याप्त जमीन, आजीविका प्रभावित नहीं

खंडपीठ ने यह भी माना कि संबंधित परिवार के पास पहले से करीब 11.5 एकड़ कृषि भूमि मौजूद है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि परिवार आजीविका से वंचित नहीं हुआ है। इस आधार पर याचिकाकर्ता को राहत देने का कोई औचित्य नहीं बनता।

नौकरी के दायरे पर स्पष्टता

हाईकोर्ट के इस फैसले से भूमि अधिग्रहण के बदले मिलने वाली नौकरी की पात्रता को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो गई है। यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है, जिसमें परिवार के विस्तारित सदस्यों द्वारा नौकरी के दावे किए जाते हैं।

हाईकोर्ट में चुनौती, केंद्र और रेलवे का पक्ष मजबूत

केट के इस आदेश को केंद्र सरकार और रेलवे ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अधिवक्ता अर्णव तिवारी ने दलील दी कि अधिसूचना में स्पष्ट रूप से पात्रता केवल जमीन मालिक, उसके पति/पत्नी और बच्चों तक सीमित है। पोते के लिए कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही, निर्धारित कटऑफ तिथि 1 जनवरी 2014 के समय आवेदक नाबालिग था।

ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
Samacharsewa ad

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल
Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com